राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार,15सितम्बर 2020 वर्ष–3, अंक –230 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सांसद हनुमान बेनीवाल ने दो बार कराया कोरोना टेस्ट, एक रिपोर्ट पॉजिटिव और दूसरी निगेटिव

नई दिल्ली।

संसद का मानसून सत्र शुरु होने से पहले लोकसभा सदस्यों का कोरोना टेस्ट कराया गया जिसमें कुल 17 सांसदों के कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है। कोरोना पॉजिटिव सांसदों में भारतीय जनता पार्टी के 12, वाईआरएस कांग्रेस के दो ,शिवसेना के एक , द्रविड़ मुनेत्र कषगम के एक और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के एक सांसद शामिल हैं। इस बीच राजस्थान से नागौर सांसद और रालोपा संयोजक हनुमान बेनीवाल लोकसभा में हुई कोरोना जांच में पॉजिटिव पाए गए हैं, लेकिन जब जयपुर में उनकी कोरोना जांच हुई तब वे निगेटिव पाए गए हैं। इसकी जानकारी उन्होंने खुद ट्वीट कर दी है। सांसद ने ट्वीट करते हुए लिखा- मैंने लोकसभा परिसर में कोविड-19 की जांच करवाई, जो पॉजिटिव आई। उसके बाद जयपुर स्थित मेडिकल में जांच करवाई जो नेगेटिव आई, दोनों रिपोर्ट आपके साथ साझा कर रहा हूं, आखिर किस रिपोर्ट को सही माना जाए। दरअसल, संसद सत्र से पहले सांसदों की हुई कोरोना जांच में हनुमान बेनीवाल संक्रमण होने की पुष्टि हुई है। जिसके बाद बेनीवाल सत्र में शामिल नहीं हो सके। बता दें कि एक महीने पहले ही बेनीवाल कोरोना से ठीक हुए थे। ये दूसरी बार है जब उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

आपको बतां दे कि संसद शुरू होने से पहले सभी सांसदों का कोरोना टेस्ट करवाया गया था। आपको बतां दे कि संसद शुरू होने से पहले सभी सांसदों का कोरोना टेस्ट करवाया गया था। जांच के बाद सामने आई रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी सांसद मीनाक्षी लेखी , अनंत कुमार हेगड़े और प्रवेश साहिब सिंह वर्मा समेत 17 सांसदों में कोरोना संक्रमित हैं। वहीं इससे पहले सुखबीर सिंह, प्रताप राव जाधव, जनार्दन सिंह, हनुमान बेनीवाल, सेल वम जी, प्रताप राव पाटिल, रामशंकर कठेरिया, सत्यपाल सिंह समेत अन्य सांसदों की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई थी।

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह कोरोना पॉजिटिव, पीजीआई में कराया गया भर्ती

नेशनल डेस्क।

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता कल्याण सिंह कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्हें पीजीआई लखनऊ में भर्ती करवाया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उनका नमूना लिया था। बता दें कि रविवार तक यूपी में कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 312414 हो चुकी है। इनमें से 239485 को डिस्चार्ज किया जा चुका है। एक्टिव मरीजों की संख्या प्रदेश में 68122 है। जबकि 4429 मरीजों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में 75 लाख टेस्ट का आंकड़ा पार कर लिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार रविवार को लखनऊ में 847, कानपुर में 338, प्रयागराज 370, गोरखपुर 234, गाजियाबाद 267, वाराणसी 224, नोएडा 186, बरेली 158, मुरादाबाद 85, मेरठ 233, अलीगढ़ 168, सहारनपुर 114, झांसी 116, देवरिया 102, बाराबंकी 78, बलिया 78, अयोध्या 60, शाहजहांपुर 97, जौनपुर 60 समेत कुल 6239 मरीज मिले हैं। रविवार को कुल 80 मरीजों की मौत हो गई। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि उत्तर प्रदेश 75 लाख से अधिक नमूने जांचने वाला पहला राज्य बन गया है। इस समय प्रदेश में 68122 एक्टिव मरीजों में से 36329 होम आइसोलेशन में हैं।

ग्लोबल टाइम्स की भारत को धमकी,कहा- मोदी दोहरा रहे नेहरू की गलती, क्या भूल गए 1962 की जंग?

बीजिंग। लद्दाख सीमा विवाद के चलते भारत की सख्ती से चीन बौखलाया हुआ है। इस बीच चीन इस बीच चीन ने भारत के खिलाफ नया बयान जारी किया है । जानकारी के अनुसार सीमा पर चल रहे तनाव के बीच चिंग भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच 5 सूत्री सहमति होने के बाद भी चीन का सरकारी प्रचार मीडिया भारत को धमकाने और मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने में जुटा हुआ है। चीन के सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने चीनी विश लेषक झांग शेंग के हवाले से दावा किया कि भारत पंडित जवाहर लाल नेहरू की गलती दोहरा रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उसने कहा कि भारत का वर्तमान प्रशासन सीमा पर आक्रामक व्यवहार दिखा रहा है। झांग ने कहा कि वर्तमान स्थिति वर्ष 1962 की तरह से ही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत अपने हितों के लिए अंतर्राष ट्रीय समुदाय की मदद से चीन पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। वर्ष 1962 में चीन सबसे अलग थलग था। उस समय चीन अमेरिका से मुकाबला कर रहा था और उस समय रूस से भी चीन अलग राह पर चल रहा था जबकि भारत उस समय गुटनरिपेक्ष आंदोलन का अगुवा था। ग लोबल टाइम् स ने चीनी विश लेषक के हवाले से लिखा कि वर्ष 1962 में भारत ने अंतर्राष्ट्रीय माहौल का फायदा उठाने की कोशिश की थी। इसका परिणाम यह हुआ कि भारत ने तीसरी दुनिया के देशों के नेता पदवी भी खो दी। झांग ने कहा कि भारत की मोदी सरकार भी नेहरू की रणनीति पर काम कर रही और चीन-अमेरिका तनाव का फायदा उठाना चाहती है। उन होंने कहा कि भारत के रक्षा मंत्री अतिआत मविश वास दिखा रहे हैं। एक अन य चीनी विश लेषक कियांग फेंग ने कहा कि जयशंकर और वांग यी से मुलाकात के बाद अब गेंद भारत के पाले में है। उन होंने कहा कि अब यह देखना है कि भारत कैसे 5-सूत्री सहमति को लागू करता है। उन्होंने राफेल के शामिल होते समय राजनाथ सिंह के बयान का उदाहरण दिया और कहा कि भारत विरोधाभासी बयान दे रहा है। कियांग ने दावा किया कि चीन भारत के साथ शांति के साथ सीमा पर विवादों को सुलझाना चाहता है लेकिन अपने हितों के समझौता नहीं करेगा। उन होंने राफेल के शामिल होते समय राजनाथ सिंह के बयान का उदाहरण दिया और कहा कि भारत विरोधाभासी बयान दे रहा है। कियांग ने दावा किया कि चीन भारत के साथ शांति के साथ सीमा पर विवादों को सुलझाना चाहता है लेकिन अपने हितों के समझौता नहीं करेगा।

संक्षिप्त समाचार

मानसून सत्रः 17 सांसद कोरोना पॉजिटिव, मीनाक्षी लेखी और अनंत हेगड़े कोरोना की चपेट में

नेशनल डेस्क। कोरोना संकट के बीच सोमवार को दोनों सदनों की कार्रवाई हुई। इस दौरान भाजपा सांसद मीनाक्षी लेखी, प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और सांसद अनंत कुमार हेगड़े मानसून सत्र में शामिल नहीं हुए। दरअसल करीब 17 सांसदों की कोरोना टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई है और इन सांसदों में मीनाक्षी लेखी, प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, कर्नाटक से भाजपा के ही सांसद अनंत कुमार हेगड़े शामिल हैं। संसद मानसून सत्र शुरू होने से पहले इन सांसदों का कोरोना टेस्ट कराया गया था। संसद की कार्यवाही में सिर्फ वही सांसद हिस्सा ले रहे हैं जिनकी कोरोना टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आई है। कोरोना पॉजिटिव पाए गए अन्य सांसदों में सुखबीर सिंह, प्रताप राव जाधव, जनार्दन सिंह, हनुमान बेनीवाल, सेल वम जी, प्रताप राव पाटिल, रामशंकर कठेरिया, सत यपाल सिंह शामिल हैं। वहीं सांसद हनुमान बेनिवाल ने कहा कि उनकी रिपोर्ट कहीं निगेटिव आ रही है तो कहीं पॉजिटिव. ऐसी स्थिति में वे किस रिपोर्ट को सही मानें। लोकसभा की बैठक में शामिल हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मंत्री और सदस्य मास्क पहनकर पहुंचे और सामाजिक दूरी की अनुपालना सुनिश्चित की। प्रधानमंत्री मोदी ने नीले रंग का थ्री प्लाई मॉस्क पहन रखा था तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख चिराग पासवान मधुबनी मास्क पहने नजर आए। तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी तथा कुछ सदस्य फेस शील्ड पहनकर सदन में पहुंचे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी सफेद रंग का मास्क पहनकर अपने आसन पर पहुंचे।

संजय राउत बोलेः हमें पता है यूपी में योगी जी का कार्टून बनाने पर क्या होता है...

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना और कंगना रानौत के घमासान के बीच एक और मामला सामने आ गया है। यहां शिवसेना के कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा एक नेवी के रिटायर्ड ऑफिसर के साथ जमकर मारपीट की गई है। इसके बाद महाराष्ट्र में राजनीतिक घमासान छिड़ गया। इस बीच शिवसेना के फायरब्रांड नेता संजय राउत ने यूपी सरकार और केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि हमको पहले से ही पता था कि हमको तरह-तरह से परेशान किया जाएगा। संजय राउत ने एक टीवी न्यूज चैनल से बात करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं नहीं होनी चाहिए। ये हमला सोच समझकर नहीं किया गया और ये कानून का मामला है। हमने माना है कि वो हमारे कार्यकर्ता है। संजय राउत ने कहा कि सबको आलोचना करने का हक है। अगर हम गलती करते हैं तो हमारी आलोचना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन्होंने ये काम किया उनको कानून के मुताबिक सजा मिलनी चाहिए। किसी भी आदमी के साथ गलत नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूपी में घर में घुसकर एक फौजी की हत्या हो जाती है, सीएम योगी का कार्टून बनाया तो कार्रवाई होती है, पं बंगाल में तो एक लड़की को जेल तक हो गई। कानून अपना काम अपने नियम के मुताबिक करता है। उन्होंने कहा कि अगर नेवी अफसर पूरे राज्य की बात करता है तो ये बीजेपी का लाउडस्पीकर है। पं बंगाल में तो एक लड़की को जेल तक हो गई। कानून अपना काम अपने नियम के मुताबिक करता है। उन्होंने कहा कि अगर नेवी अफसर पूरे राज्य की बात करता है तो ये बीजेपी का लाउडस्पीकर है।

राज्यसभा

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश एक शानदार अंपायर हैंः पीएम मोदी

नई दिल्ली।

पीएम मोदी ने हरिवंश को जीत के लिए बधाई दी है। पीएम ने कहा कि मैं हरिवंश जी को बधाई देना चाहता हूं। पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने बहुतों के लिए काम किया है। हम सभी ने सदन की कार्यवाही के संचालन के तरीके को देखा है। पीएम मोदी ने कहा कि इस बार संसद ऐसी परिस्थितियों में बुलाई गई है जो पहले कभी नहीं देखी गई थी। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि सुरक्षा संबंधी सभी सावधानियां बरती जाएं। पीएम मोदी ने कहा कि हरिवंश ने निष्पक्ष तरीके से कार्यवाही का संचालन किया है। वह एक शानदार अंपायर रहे हैं और आने वाले समय में भी ऐसा ही रहेगा। वह अपने कर्तव्यों को निभाने में हमेशा मेहनती रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, मैंने पहले कहा था कि जैसे हरि सबक होते हैं वैसे ही सदन के हमारे हरि सबके ही होंगे। हरिवंश जी ने अपने दायित्वों को इतनी सफलता से पूरा किया है ये दो साल उसके गवाह है। उन्होंने सदन में बड़ी गहराई से विषयों पर चर्चा कराई। इस दौरान देश के भविष्य को बदलने वाले अनेक ऐतिहासिक बिल इस सदन में पास हुए। पिछले 10 में सबसे अधिक प्रोडक्टिविटी का रिकॉर्ड बना। जबकि वह साल लोकसभा चुनाव का साल था।

जमीन से जुड़े हरिवंश जी

पीएम मोदी ने कहा, हरिवंश जी जमीन से जुड़े हुए हैं। उनके गांव में नीम के पेड़ के नीचे स्कूल लगता था। जमीन से जुड़ने की शिक्षा उन्हें वहीं से मिली। हरिवंश जी जेपी जी के गांव से आते हैं। संतोष ही सुख है, यह व्यवहारिक ज्ञान हरिवंश जी को उनके गांव उनके घर से मिला। हरिवंश जी ने स्कॉरशिप के पैसे घर ना ले जाने के जगह किताबें खरीदी।

शालीनता से अपनी बात रखना हरिवंश जी की विशेषता

प्रधानमंत्री ने कहा, करीब 4 दशक सामाजिक सरोकार की पत्रकारिता करने के बाद हरिवंश जी ने 2014 में संसदीय जीवन में प्रवेश किया। बतौर सदस्य तमाम विषयों पर हरिवंश जी ने अपनी बात प्रभावी ढंग से रखी थी। शालीन और सारगर्भित तरीके से अपनी बात करना हरिवंश जी की विशेषता है। गौरतलब है कि जनता दल यूनाइटेड (जद यू) के नेता हरिवंश को आज सर्वसम्मित से राज्यसभा का उप सभापति निर्वाचित घोषित किया गया।हरिवंश दोबारा सदन के उप सभापति चुने गये है। उनका कार्यकाल हाल ही में समाप्त हुआ था और वह दोबारा उच्च सदन के लिए चुने गए थे। सभापति एम वेंकैया नायडू ने सदन को बताया कि उप सभापति के चुनाव के लिए उन्हें दो उम्मीदवारों के पक्ष में प्रस्ताव मिले हैं। जद यू के हरिवंश को उप सभापति निर्वाचित करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के जगत प्रकाश नड्डा ने प्रस्ताव पेश किया है और सदन के नेता थावरचंद गेहलोत ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है।

दिनेश त्रिवेदी, शिबू सोरेन और जफर इस्लाम समेत 15 नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली/रांची।

राज्यसभा में सोमवार को मॉनसून सत्र के पहले दिन तृणमूल कांग्रेस के दिनेश त्रिवेदी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के शिबू सोरेन और भाजपा के सैयद जफर इस्लाम समेत 15 नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली। तमिलनाडु से द्रमुक के तिरुची शिवा, तेलंगाना से तेलंगाना राष्ट्र समिति के के. केशव राव, तृणमूल कांग्रेस की अर्पिता घोष ने भी उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ली। शपथ लेने वाले अन्य सदस्यों में असम से निर्दलीय अजीत कुमार भुइंया, छत्तीसगढ़ से कांग्रेस की फूलो देवी नेताम, केरल से एलजेडी के एम वी श्रेयमस कुमार, महाराष्ट्र से राकांपा की फौजिया खान, मेघालय से एनपीपी के वानविरॉय खारलूखी, तमिलनाडु से द्रमुक के एन आर इलांगो, इसी पार्टी के ए पी सेल्वरासू, तेलंगाना राष्ट्र समिति के के. आर सुरेश रेड्डी और उत्तर प्रदेश से भाजपा के जयप्रकाश निषाद शामिल हैं। कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण उच्च सदन में बैठने की विशेष व्यवस्था की गयी थी। के कक्ष में बैठे थे। कुछ सदस्यों को विभिन्न दीर्घाओं में बैठाया गया था। इसके तहत उच्च सदन के सदस्य दोनों सदनों के कक्ष में बैठे थे। कुछ सदस्यों को विभिन्न दीर्घाओं में बैठाया गया था। इसके तहत उच्च सदन के सदस्य दोनों सदनों के कक्ष में बैठे थे। कुछ सदस्यों को विभिन्न दीर्घाओं में बैठाया गया था। शपथ लेने वाले अधिकतर सदस्य मास्क पहनकर आये थे। कुछ सदस्यों ने शपथ लेने के दौरान अपने मुंह से मास्क को नीचे कर दिया। किंतु सभापति वेंकैया नायडू ने उन्हें शपथ लेने के दौरान भी मास्क पहने रहने की नसीहत दी। आम तौर पर नए सदस्य शपथ लेने के बाद सभापति के आसन के पास जाकर उनका अभिवादन करते हैं। किंतु आज ऐसा नहीं हुआ। शपथ लेने वाले सभी सदस्यों ने उसी स्थान से सभापति का अभिवादन किया। नायडू ने हाथ जोड़कर उनके अभिवादन का जवाब दिया।

राजनीति की आड़ में अपराध का बड़ा कारोबार चलाता था सिकंदर, पुलिस कस्टडी में खुले कई राज

सतना। सतना में दुष्कर्म के आरोप में पकड़े गया सिकंदर न सिर्फ सूदखोरी और ब्लैकमेलिंग का ही मास्टरमाइंड नहीं था बल्कि वह फर्जीफिकेशन में भी माहिर था। उसने राजनीतिज्ञों से संपर्क बना रखे थे और उनके नामों को इस्तेमाल कर अपना उल्लू सीधा करता था। नाबालिग के साथ दुष्कृत्य करने के मामले में शिकंजे में फंसने के बाद पुलिस ने उसके इस फर्जीफिकेशन का भी भंडाफोड़ किया है। इस मामले में भी उसके खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। उधर शहर के नजीरबाद स्थित आरोपी के फार्म हाउस का निर्माण अवैध पाए जाने के बाद उस पर बुलडोजर चलने की संभावना भी बढ़ गई है। पुलिस के मुताबिक पाक्सो एक्ट में पकड़ा गया आरोपी समीर खान उर्फ़ सिकंदर उर्फ़ अतीक मंसूरी निवासी कम्पनी बाग़ हाल निवासी नजीराबाद राजनेताओं के नाम, पद और उनके लेटर हेड का इस्तेमाल करता था। वह फर्जी लेटर पेड पर फर्जी पत्र बना कर नेताओं के फर्जी हस्ताक्षर भी करता था। इन पत्रों का इस्तेमाल वह अपने रेलवे टिकट की दलाली के काम के लिए करता था। कहीं का भी कोई भी टिकट हो आरोपी समीर कन्फर्म करके देता था। रेल टिकट कन्फर्म कराने के लिए वह सांसदों - विधायकों के लेटर पेड पर उनके स्कैन किये हुए हस्ताक्षर फर्जी तरीके से बना कर वीआईपी कोटा के लिए आवेदन पेश करता था। पुलिस ने जब उसके रीवा रोड में प्रताप होटल स्थित साइबर कैफे की तलाशी ली तो वहां उसे बड़ी संख्या में प्रिंटेड लेटर मिले। इसके अलावा कम्प्यूटर में तमाम नेताओं के लेटर पेड , स्कैन किये हुए उनके दस्तखत भी मिले। पुलिस ने प्रिंटेड लेटर , कंप्यूटर सब कुछ जब्त कर लिया है। इस मामले में उसके खिलाफ थाना कोलगवां में अपराध क्रमांक 1108/2020 धारा 420,467,468,471 भादवि के तहत दर्ज किया गया है। ब्लैकमेलर समीर खान उर्फ़ सिकंदर न केवल सतना बल्कि आसपास के जिलों के भी सांसद - विधायकों के लेटर पेड में फर्जी पत्र लिख कर रेलवे की टिकट बनवाता था।

न कोई भाषा थोपी जानी चाहिए न किसी भाषा का कोई विरोध होना चाहिएः उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने सोमवार को कहा कि कोई भी भाषा संस्कारों की तरह शुद्ध और आस्थाओं की तरह पवित्र होती है इसलिए न कोई भाषा थोपी जानी चाहिए और न ही किसी भाषा का कोई विरोध होना चाहिए। हिन्दी दिवस के अवसर पर मधुबन एजुकेशनल बुक्स द्वारा आयोजित समारोह को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देशवासियों को अपनी भाषाई विविधता पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाषाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं और उनका समृद्ध साहित्यिक इतिहास रहा है। ज्ञात हो कि आज ही के दिन 1949 में संविधान सभा ने हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। उन्होंने कहा, हमारी हर भाषा वंदनीय है। कोई भी भाषा हमारे संस्कारों की तरह शुद्ध और हमारी आस्थाओं की तरह पवित्र होती है। न कोई भाषा थोपी जानी चाहिए न किसी भाषा का कोई विरोध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समावेशी और स्थायी विकास के लिए शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होनी ही चाहिए। नयी शिक्षा नीति 2020 में भारतीय भाषाओं और संस्कृति को महत्व दिए जाने के लिए प्रसन्नता जताते हुए नायडू ने किहा कि शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होने से बच्चों को स्वयं अभिव्यक्त करने में और विषय को समझने में आसानी होगी और पढने में रुचि पैदा होगी। च्हरिजन में महात्मा गांधी गांधी के लेख को उद्धृत करते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं की नींव पर ही राष्ट्रभाषा की भव्य इमारत खड़ी होगी। राष्ट्रभाषा और क्षेत्रीय भाषाएं एक दूसरे की पूरक हैं, विरोधी नहीं। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा सुझाया मार्ग ही हमारी भाषाई एकता को सुदृढ़ कर सकता है। हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं को सीखना आसान होगा क्योंकि राष्ट्र के संस्कार, विचार तो समान ही हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सभी भारतीय भाषाओं का विकास साथ ही हो सकता है। च्हम अन्य भारतीय भाषाओं के कुछ न कुछ मुहावरे, शब्द या गिनती जरूर सीखें। उन्होंने सलाह दी कि हिन्दी में भी छात्रों को अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य और प्रख्यात साहित्यकारों से परिचित कराया जाए तथा हिंदी के साहित्यकारों, उनकी कृतियों से अन्य भाषाई क्षेत्रों को परिचित कराया जाए। च्हम अन्य भारतीय भाषाओं के कुछ न कुछ मुहावरे, शब्द या गिनती जरूर सीखें। उन्होंने सलाह दी कि हिन्दी में भी छात्रों च्हम अन्य भारतीय भाषाओं के कुछ न कुछ मुहावरे, शब्द या गिनती जरूर सीखें। उन्होंने सलाह दी कि हिन्दी में भी छात्रों को अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य और प्रख्यात साहित्यकारों से परिचित कराया जाए तथा हिंदी के साहित्यकारों, उनकी कृतियों से अन्य भाषाई क्षेत्रों को परिचित कराया जाए।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वैक्सीन की खोज

यह खुशखबरी है कि भारत कोविड-19 की वैक्सीन तैयार करने की ओर कामयाबी के साथ बढ़ रहा है। कोवैक्सीन नाम की जो दवा भारत बना रहा है, उसे जानवरों में कारगर पाया गया है और अब मनुष्यों में भी परीक्षण की शुरुआत हो चुकी है। जब कोरोना की शुरुआत हुई थी, तब भी दुनिया भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही थी, लेकिन तब भारत में कोरोना का प्रकोप ज्यादा नहीं था। भारत में 48 लाख से ज्यादा लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं और 78 हजार से ज्यादा की मौत हो चुकी है, इसलिए यह नितांत आवश्यक है कि देश अपनी विशाल आबादी के लिए खुद वैक्सीन विकसित करे। किसी भी अन्य देश की तुलना में आज भारत में वैक्सीन की सर्वाधिक जरूरत है। हमसे ज्यादा आबादी वाले चीन ने कोरोना पर शिकंजा कस लिया है, पर हम तेजी से सर्वाधिक पीड़ित देश होने की ओर बढ़ रहे हैं। सबसे ज्यादा पीड़ित होने के दाग को हम केवल वैक्सीन विकसित करके ही धो सकते हैं। वैक्सीन निर्माण में लगे इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी और भारत बायोटेक के वैज्ञानिकों की तारीफ करनी चाहिए। उन्होंने अप्रैल महीने से ही वैक्सीन खोज अभियान छेड़ रखा है और 29 जून को ही वैक्सीन बना ली थी। इसी के आधार पर कभी यह घोषणा भी हो गई थी कि भारत में 15 अगस्त तक वैक्सीन आ जाएगी, लेकिन किसी भी वैक्सीन को हर तरह से सुरक्षित सिद्ध करने में समय तो लगता ही है। बहरहाल, खास यह कि कोवैक्सीन कोरोना स्ट्रेन से ही तैयार की गई है और शरीर में जाने के बाद कोरोना के खिलाफ एंटीबॉडी तैयार करती है। भारत बायोटेक के वैज्ञानिक इसी वैक्सीन की मदद से बंदरों में एंटीबॉडी विकसित करने में कामयाब रहे हैं। 20-20 बंदरों के चार समूहों पर अलग-अलग जगह वैक्सीन को आजमाया गया है। 14 दिनों के अंतराल पर बंदरों को दो बार वैक्सीन दी गई और उसके बाद उन्हें कोरोना संक्रमित करने की कोशिश हुई, मगर वैक्सीन की वजह से बंदरों के शरीर में एंटीबॉडी विकसित हो गई थी और उनमें निमोनिया या कोरोना लक्षण नहीं उभरे। अब दिल्ली स्थित एम्स में कोवैक्सिन का फेज 2 ट्रायल शुरू हो चुका है। एक वॉलंटीयर को वैक्सीन की पहली डोज दी गई है। सफलता मिल गई, तो 750 इंसानों पर उसे आजमाया जाएगा और उसके बाद फेज 3 ट्रायल में हजारों लोगों पर परीक्षण होगा। इस पूरी कवायद में कम से कम तीन महीने का वक्त लगेगा और सब कुछ ठीक रहा, तो अगले साल की पहली तिमाही में भारत अपने वैक्सीन का निर्माण कर लेगा। ध्यान रहे, भारत में वैक्सीन की खोज में अभी सात कंपनियां लगी हैं, भारत बायोटेक, कैडिला, सीरम इंस्टीट्यूट, मिनवेक्स, इंडियन इम्युनोलॉजिकल्स और बायोलॉजिकल ई। सब अलग-अलग वैक्सीन पर काम कर रही हैं। अभी तक रूस में विकसित वैक्सीन स्पुतनिक-वी को स्थानीय स्तर पर मंजूरी मिली है, लेकिन यह वैक्सीन फेज 3 ट्रायल से नहीं गुजरी है, इसलिए विवाद बना हुआ है। खैर, भारत में जो भी दवा आए, पूरी तरह से परखने के बाद आए। इस खोज में धन या संसाधन की कतई कमी नहीं आने देनी चाहिए। जो भी वैज्ञानिक और आम लोग इस परीक्षण में भागीदारी का जोखिम उठा रहे हैं, पूरी मानवता उनकी सदा आभारी रहेगी।

आज के ट्वीट

खुशी

चंडीगढ़ मे उतरते ही मेरी सिक्यरिटी नाम मात्र रह गयी है, लोग खुशी से बधाई दे रेही हैं, लगता है इस बार मैं बच गयी, एक दिन था जब मुंबई में माँ के आँचल की शीतलता महसूस होती थी आज वो दिन है जब जान बची तो लाखों पाए, शिव सेना से सोनिया सेना होते ही मुंबई में आतंकी प्रशासन का बोल बाला।

--कंगना रनौत

भारतीय परिवेश में कर्मयोग की वापसी

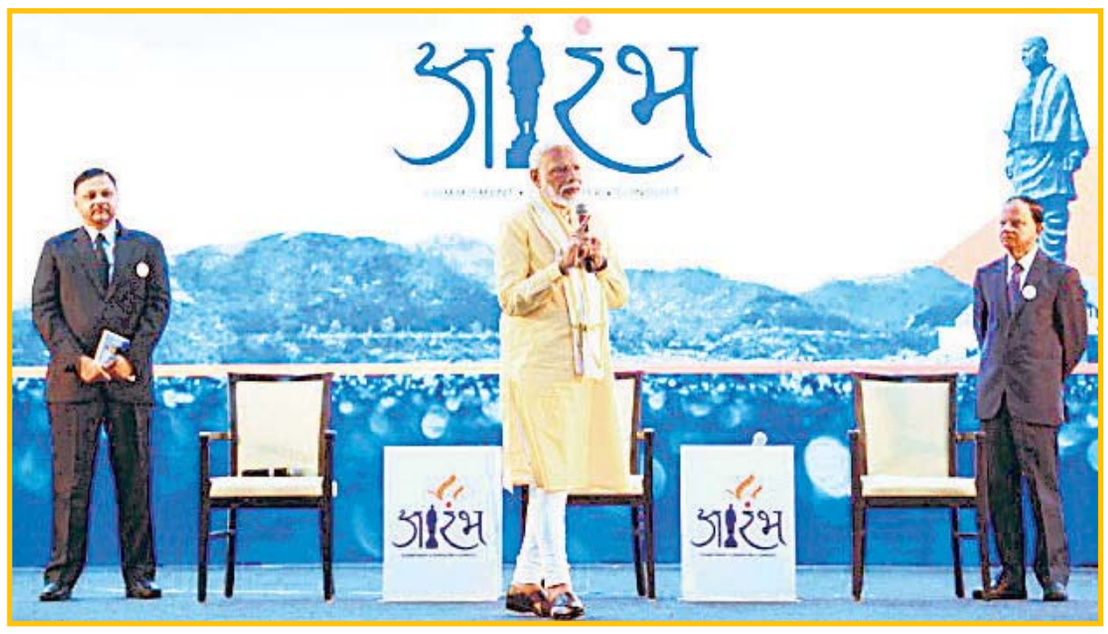

सुरेश सेठ

भारतीय संस्कृति में कभी भी कर्मयोग को नकारा नहीं गया! गीता में जो मुख्य संदेश आम आदमी को मिलता रहा है, वह यही है कि ज्ञान योग और ध्यान योग तो सम्भवत- आम आदमी के बस की बात नहीं, लेकिन कर्म योग का मार्ग ही ऐसा है, जिस पर फल-कुफल की परवाह किये आम आदमी उम्र भर चलता रहे तो उसे मुक्ति प्राप्त करने में कठिनाई नहीं आती। बालपन से एक औसत हिन्दुस्तानी सुनता रहता है कि जीवन भर सक्रिय रह कर सत्कर्म करते रहना चाहिए। कर्म पर तेरा अधिकार है, लेकिन फल पर तेरा अधिकार नहीं है। अभी मोदी सरकार ने भारतीय संस्कृति के इस गरिमापूर्ण दर्शन को अपने सिविल प्रशासनिक अधिकारियों तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। कैबिनेट बैठक ने अपने सिविल सेवा अधिकारियों को कर्मयोगी बनाने और इसके लिए विशेष प्रशिक्षण देने का फैसला लिया है। इस प्रशिक्षण में इनकी कार्यक्षमता बढ़ायी जायेगी और इन्हें लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए कहा जायेगा। कर्मयोगी बनाने की यह योजना भारत की इक्कीसवीं सदी की सांस्कृतिक धरोहर है। इस योजना में प्राचीन भावबोध को अर्वाचीन से संश्लिष्ट करते हुए अभी दो करोड़ से अधिक कर्मियों को कर्मयोगी बनने की ऑनलाइन प्रशिक्षा देने का फैसला हुआ। इसी संदर्भ में सेवा कर्मियों को अपने कार्य की पूर्ण दक्षता प्रदान की जायेगी ताकि उन्हें अपने काम से ही इतना सृजनात्मक संतोष मिले कि उन्हें इससे आगे कोई दुनियावी इच्छा तुष्ट करने की अभिलाषा ही न रहे। अब जापान—वस्त्र मंत्रालय के कर्मियों को, फिनलैंड—खनन मंत्रालय और डेनमार्क— ऊर्जा मंत्रालय के कर्मियों को नवीनीकरण और ऊर्जा की दक्षता प्रदान करेगा। एफ.ओ.यू. पर हस्ताक्षर हो गये हैं। एकनिष्ठ होकर अपने कर्म को लाभ और अलाभ की स्थिति से अलग कर सर्वोपरि मानना एक ऐसी आदर्श स्थिति है, जिसकी भारत को बेतरह जरूरत है। नोटबंदी एक ऐसा ही निर्णय था, जिसमें काले धन के उन्मूलन की परिकल्पना की गयी थी। एक देश-एक कर की आधारभूमि के साथ पूरे देश के लिए जीएसटी लागू कर देना, भारत के लिए नव कृषक समाज की महत्ता को अधिकृत करते हुए, एक देश-एक किसान, और उसकी फसल के लिए राष्ट्रीय मंडी का अवतरण और अभी-अभी पूरे देश के नौजवानों के लिए एक ही भर्ती परीक्षा की घोषणा ऐसे आधारभूत परिवर्तन हैं, जिन्हें लागू करने की घोषणा करके सरकार ने एक समूची राष्ट्रीय भावना के संचरण का प्रयास किया है। यह दीगर बात है कि चतुर सुजानों ने इनके रास्तों में इतनी चोर गलियां निकाल ली हैं कि देश मोदी सरकार की इन दो पारियों में किसी नये सांस्कृतिक और सामाजिक कायाकल्प के मुख्य द्वार पर खड़ा नजर नहीं आता। यही नजर आता है कि वही चाल बेढंगी जो पहले थी, वह अब भी है। ऐसी हालत में एक ओर तो कोरोना महामारी के प्रकोप ने सामान्य जीवन अस्तव्यस्त कर रखा है। भारत महामारी के संक्रमण की दृष्टि से ब्राजील को पीछे छोड़कर अमेरिका के बाद दुनिया में दूसरे नंबर पर आ गया है। देश के हर कोने में रोग से चिन्ता का माहौल है। स्वलाभ की भावना से प्रेरित निजी क्षेत्र ने सरकार द्वारा दायित्व पालन करने के आदेश को स्वीकार करते हुए भी कोरोना से महाभारत में कुछ इस सफाई के साथ अपने आपको दोयम दर्जे पर रखा हुआ है कि इस समय बड़ा दायित्व सार्वजनिक क्षेत्र के चिकित्सा कर्मियों, चिकित्सकों, राहत वितरण अधिकारियों और कानून व्यवस्था के रखवालों पर आ गया है। ऐसे समय में सरकार का यह आदर्श कि सिविल सेवा अधिकारियों को कर्मयोगी बना दिया जायेगा, सुनने और पढ़ने में बहुत अच्छा लगता है। डिजिटल प्रशिक्षण का फैसला अथवा विदेशों से उचित प्रशिक्षण दिलवाना नीतिगत फैसले हो सकते हैं, लेकिन सांस्कृतिक निष्ठा के अनुसार अपने काम में कर्मयोगी हो जाना मूलत- एक भावनागत फैसला है। इसमें शिक्षण संस्थानों द्वारा पैदा की गयी, राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रसेवा और मानवीय मूल्यों को समर्पित हो जाने की भावना बहुत महत्व रखेगी। बेशक आज भी देश के वातावरण में नैतिक मूल्यों, कर्तव्य परायणता, आदर्शवाद, बलिदान और त्याग की धज्जियां उड़ी हैं। इस समय लोगों को मृत्युमय की दहशत से अलग कर्मयोग की ओर मोड़ने के लिए भागीरथ प्रयास करने पड़ेंगे। सच यह है कि इक्कीसवीं सदी के पहले दो दशकों में भारत के जीवन मूल्यों में बहुत परिवर्तन आ गया। आधुनिकता के पैरोकार वैज्ञानिक और सामाजिक प्रगति के नाम पर भौतिकवाद को सर्व स्वीकार्य जीवन मूल्य बना चुके हैं। आज सेवा क्षेत्र में कौन है कर्मयोगी? हर सेवा को आदर्शवाद के वर्क में लपेटकर नीलाम घर में रख दिया गया। सेवा सर्वोपरि नहीं रह गयी, मेवा ही प्रमुख हो गया। इसकी जमा-घटा ही आज व्यक्तिगत और सामाजिक सफलता की कसौटी बन गयी। यह कोई स्तंभित करने वाला सत्य नहीं है, जब हम कहते हैं कि दुनिया के सबसे अधिक दस भ्रष्टाचारी देशों में से एक भारत है तो क्या भ्रष्टाचारी देशों में निःस्वार्थ सेवा कर्मी रहते हैं। वहां तो अपना घर देवालय बना देने का ही विश्वास चलता है। उदाहरण सामने है। सरकार बार-बार कह रही है कि देश कोरोना महामारी के इन भयावह पांच महीनों में से गुजर रहा है। सरकार ने इन महीनों में एक सौ पैंतीस करोड़ की कुल आबादी में से अस्सी करोड़ को मुफ्त खानाा खिलाया है। इनमें रियायती दरों पर जो राशन बांटा है, वह अलग। इस राहत राशन को राज्य सरकारों ने बांटना था। पंजाब बता रहा है कि कुल मिली राहत राशि का एक-तिहाई भी जरूरतमंदों में नहीं बंटा और जो बंटा है, उसमें भी राजनीतिक तुष्टीकरण की प्राथमिकतायें पेश रहीं। कभी अवैध भट्टियों पर छापे, कभी खनन माफिया के कारनामे और अब पंजाब में दलित छात्रों का हक छीनने वाला वजीफा स्कैंडल। बेशक ऐसे वीभत्स सत्यों से कोई आंखें नहीं मूंद सकता। ये कठिन सच्चाइयां कहीं भी कर्मयोगी सिविल सेवा अधिकारियों अथवा समाज सेवकों के नाम नहीं लगतीं। हम सच को नकारते नहीं। लेकिन सांस्कृतिक, नैतिक और आदर्श सामाजिक मूल्यों की पुन-स्थापना निकृष्ट सत्यों को नकार कर ही हो सकती है। सत्ता कर्म में कर्मयुग की स्थापना का निश्चय स्तुत्य है, लेकिन ध्यान रहे इसका ढांचा किसी जर्जर नींव पर खड़ा न किया जाये।

लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

नृशंसता का प्रतिरोध

श्रीराम शर्मा आचार्य/ राजनैतिक पराधीनता एवं विदेशियों द्वारा बरती गई नृशंसता के विरुद्ध पिछले दिनों हमारे मन में असंतोष उत्पन्न हुआ था तो उसका बाह्य स्वरूप स्वराज्य आन्दोलन के रूप में-स्वाधीनता संग्राम के रूप में-सामने आया था। जन-मानस का व्यापक असंतोष राजमुकुटों को तिनके के समान उड़ाकर फेंक सकता है। दुनिया का इतिहास साक्षी है कि बड़ी से बड़ी क्रूर सल्तनतें जन-असंतोष की आग में जलकर भस्म हो गई। जनता की मनोभूमि जब करवट बदलती है तो बड़ी-से-बड़ी विडम्बनाएं धराशायी हो जाती हैं। जिस हीन सामाजिक दुरवस्था में हम आज पड़े हैं; वह भी तभी तक टिकी रह सकती है जब तक जन-मानस में उसके प्रति उभार नहीं आता। यह बुराइयां अभी अखरती तो हैं पर यदि कांटे की तरह उनकी चुभन हम अनुभव करने लगे तो फिर इन्हें उखाड़ फेंकने में कितनी देर लगेगी? सामाजिक असभ्यता हमारे लिए राजनीतिक गुलामी से अधिक त्रासदायक स्थिति में हमारे सामने मौजूद है। स्वाधीनता संग्राम के बलिदानी सेनानी स्वर्ग से हमें पूछते हैं कि हमारा कारवां एक ही मंजिल पर पड़ाव डालकर क्यों पड़ा रहा? आगे का पड़ाव सामाजिक असभ्यता के उन्मूलन का था, अगला मोर्चा वहां जमना था-पर सैनिकों ने हथियार खोलकर क्यों रख दिये? युग की आत्मा इन प्रश्नों का उत्तर चाहती है। हमें इसका उत्तर देना होगा। यदि हम सामाजिक असभ्यता के उन्मूलन के लिए कुछ नहीं करना चाहते,कुछ नहीं कर सकते तो जहां भावी इतिहासकार जिस प्रकार स्वतन्त्रता संग्राम के सेनानियों को श्रद्धा से मस्तक झुकाते रहेंगे वहां हमें धिक्कारने में भी कसर न रहने देंगे। आध्यात्मिक लक्ष की पूर्ति के लिए अग्रसर हुए हम धर्मप्रेमी ईश्वरभक्त लोगों के कंधों पर लौकिक कर्तव्यों की पूर्ति का भी एक बड़ा उत्तरदायित्व है। ईश्वर को हम पूजें और उसकी प्रजा से प्रेम करे; भगवान का अर्चन करें और उसकी वाटिका को-दुनिया को-सुरम्य बनावें तभी हम उसके सच्चे भक्त कहला सकेंगे तभी उसका सच्चा प्रेम प्राप्त करने के अधिकारी हो सकेंगे। हमारे आध्यात्मिक लक्ष की पूर्ति का प्रथम सोपान सुव्यवस्थित जीवन है। स्वस्थ शरीर स्वच्छ मन, सभ्य समाज उसके तीन आधार हैं। इन आधारों को संतुलित करने के लिए सबल और समर्थ बनाने के लिए हमें कुछ करना ही पड़ेगा, कटिबद्ध होना ही पड़ेगा।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सृष्टि में व्याप्त कण-कण की अहमियत

नरपत दान बारहठ

सृष्टि की संरचना में सभी चर-अचर चीजों का योगदान रहा है। अब वो चीजें चाहे सूक्ष्मता ग्रहण किये हुए हों या विशालता, ब्रह्माण्ड से लेकर धरती के गठन में सब वस्तुओं का अपना-अपना महत्व रहा है। मगर आदमी की फितरत ऐसी है कि वह धरती का कर्ताधर्ता अपने आपको या फिर उन वस्तुओं को मानने लगा है जो चीजें मनुष्य की नजर में अच्छी या सुंदर हैं। अब जैसे हम फूल को अहमियत देते हैं मगर कांटों को नहीं। हम पेड़ को जीवनदाता मानकर पूजते हैं मगर पत्थर को तिरस्कृत मान लेते हैं। पत्थर को तो निर्दयता से तोड़ दिया जाता है। अगर कोई व्यक्ति किसी का दिल तोड़ दे या विश्वासघात कर दे तो उसे पत्थर दिल की संज्ञा दे दी जाती है। हम किसी को श्रेष्ठ तो किसी को तुच्छ मान बैठते हैं। ये सब अधूरे मानक हम अपने मन से तय कर देते हैं कि कौन-सी चीज अहमियत रखती है और किस चीज की अहमियत नहीं है। मगर विज्ञान और व्यवहार की दृष्टि से सही तथ्य यही है कि इस धरा पर कण-कण की अपनी अहमियत है। बात उस अहमियत को समझने और स्वीकार करने तक की है। अगर हम अपनी सोच और समझ का दायरा बढ़ाकर देखें तो हम पायेंगे कि हर वस्तु चाहे वह सजीव हो या निर्जीव, सबका हमारे जीवन में बहुत महत्व है। ऐसी ही एक कहानी से इसे समझ सकते हैं। एक समृद्ध व्यक्ति किसी पहाड़ी गांव में हरे-भरे पहाड़ों के बीच नदी के किनारे बने आलीशान घर में रहता था। पास में ही भगवान का मन्दिर भी था। हर सुबह-शाम वह व्यक्ति नदी में तैरता, फिर पहाड़ों के शिखर पर बैठकर उदय और अस्त होते सूर्य के अप्रतिम नजारे को निहारता। उसने घर में भी तरह-तरह के फूलों के पौधे लगा रखे थे। रोज सुबह-शाम मन्दिर में भगवान की आराधना किया करता था। एक दिन बारिश की ठण्डी रात में गहरी नींद सोया कि सुबह सूर्योदय से पहले नहीं जाग सका। देर से उठा और भागता हुआ पहाड़ी के तरफ चला। बीच में नदी का बहाव था। उसे नदी पार करके पहाड़ी पर जाना होता था। उसने नदी में छलांग लगाई तैरकर उस पार जाने लगा। बीच नदी के पानी का तेज बहाव आया। वो हड़बड़ाया और फिर एक बड़े पत्थर को पकड़ लिया। बहाव ज्यों ही कम हुआ तो उसने नदी पार की। अब भागता हुआ पहाड़ी पर चढ़ने लगा कि अचानक पैर नुकीले पत्थर से लगा। उसे चोट लगी। खून बहने लगा। वह बैठ गया और तिलमिलाते हुए पत्थर पर चिल्लाते हुए बोला—ये पत्थर भी न बीच रास्ते पड़े रहते हैं, नीरस और बेहूदा। कुछ काम के नहीं। रास्ते से दूर नहीं रह सकते। मैं कल इसे उखाड़कर फेंक दूंगा। वह आदमी इतना बोला ही था कि पत्थर से आवाज आई—महाशय! माफ़ कीजिये। आपको चोट लगी। मगर इसमें मेरा कोई दोष नहीं है। अगर तुम देखकर चलते तो हादसा नहीं होता। व्यक्ति पहले तो सकपकाया फिर क्रोधित हुआ और पत्थर को कल देख लेने की धमकी देकर घर की तरफ चला। चोट पर मरहम पट्टी की। रात हुई। वह अनमने मन से सो गया। कुछ-कुछ नींद आई ही थी कि उसे लगा कि घर की दीवारें हिलने लगीं और दीवार का पत्थर-पत्थर बोलने लगा—हम इस आदमी के साथ नहीं रहना चाहते। इसकी नजर में हमारा कोई महत्व नहीं है। हम जा रहे हैं। यह सुनकर आदमी घबराया और हड़बड़ाकर उठा। पसीने से तरबतर। घर से बाहर निकला और मन्दिर की तरफ भागा। भगवान की मूर्ति के आगे हाथ जोड़कर याचना करने लगा- 'हे भगवान, ये सब क्या हो रहा है।

घर पूरा हिल रहा है। कृपया रक्षा करो। दया करो, घर बच जाए मेरा।' तभी मूर्ति से आवाज आई—हे मनुष्य! मैं तुम्हारी सहायता नहीं कर सकता क्योंकि यहां मेरा मूर्तरूप भी पत्थर का बना है। तुम्हें पत्थरों से कोई मतलब भी नहीं है। इसलिए तुम यहां से चले जाओ। अब मन्दिर भी हिलने लगा। आदमी का डर दोगुना हो गया। वह गिड़गिड़ाते हुए बोला—क्षमा करो प्रभु। बहुत बड़ी गलती हो गई। मैं अंधा हो गया था। मूर्ति से आवाज आई-ठीक है, तुम्हें माफ़ी मिलेगी लेकिन पहले तुम मेरी बात ध्यान से सुनोगे। व्यक्ति बोला—जो आज्ञा प्रभु। मूर्ति ने कहा—हे मनुष्य! मेरा यह मूर्तरूप पत्थर का ही बना है। तुम जिस आलीशान घर में रहते हो वह भी पत्थर का बना है। एक दिन नदी में डूबते वक्त तुमने जिसे पकड़कर जान बचाई थी, वह भी पत्थर ही था। और तो और जिन पहाड़ों पर घंटों बैठकर तुम आनंद का अनुभव करते हो वह भी पत्थरों से ही बने हैं। इस कहानी से यह बात निकलकर सामने आती है कि इस धरती पर सबकी अपनी-अपनी अहमियत है। तुच्छ कुछ भी नहीं है। तुच्छ मनुष्य की सोच है। कण-कण से सृष्टि से है। जिस दिन मनुष्य अन्य चीजों की अहमियत समझने लगेगा तभी उसके मन से अहम खत्म होगा। जैसे कि उस आदमी की आंखें खुल गई थीं। कहानी का सार यूं तो भगवान की मूर्ति के बयान से समझ गए हैं। फिर भी इस कहानी का सार यह भी है कि हमें 'मेरा' शब्द अपने जीवन से निकालकर 'हमारा' शब्द इस्तेमाल करना चाहिए और सबके साझे सहयोग की अहमियत को स्वीकार करना चाहिए। तभी हमारा अस्तित्व बना रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरकार ने कंपनियों से लघु एवं मझोले उपक्रमों के बकाया का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर करने को कहा

नई दिल्ली। सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रम (एमएसएमई) मंत्रालय ने कंपनियों से कहा है कि वे लघु एवं मझोले उपक्रमों के बकाया का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर करें। मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी बयान में कहा गया है कि लघु एवं मझोले उपक्रमों के परिचालन और नौकरियों के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है कि उनके बकाया का भुगतान जल्द किया जाए। मंत्रालय ने देश के शीर्ष 500 कॉरपोरेट समूहों के साथ यह मुद्दा खुद उठाया है। मंत्रालय की ओर से इन कंपनियों के मालिकों, चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशकों तथा शीर्ष कार्यकारियों को इस बारे में ई-पत्र भेजा गया है। बयान में कहा गया है, ''इस भुगतान से लाखों ऐसे चेहरों पर खुशी लौट सकेगी जिनकी आजीविका का जरिया एमएसएमई क्षेत्र का उपक्रम है। एमएसएमई मंत्रालय ने संकेत दिया है कि वह आगे सोशल मीडिया के माध्यम से अन्य कंपनियों के साथ भी यह मुद्दा उठाएगा। आत्मनिर्भर भारत पैकेज की घोषणा के समय कहा गया था कि एमएसएमई क्षेत्र के बकाया का भुगतान 45 दिन में किया जाना चाहिए। बताया जाता है कि मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों को एमएसएमई इकाइयों का करीब 10,000 करोड़ रुपए का भुगतान करना है। एमएसएमई मंत्रालय ने अब देश के निजी क्षेत्र के उपक्रमों से कहा है कि वे एमएसएमई इकाइयों के बकाया को प्राथमिकता के आधार पर जारी करें।

आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने अपने बीमा उत्पादों की बिक्री के लिए यस बैंक से करार किया

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की साधारण बीमा आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस ने अपने बीमा उत्पादों की बिक्री के लिए यस बैंक के साथ बैंकएश्योरेंस करार किया है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि इस भागीदारी से बैंक के ग्राहकों की उसके बीमा पोर्टफोलियो तक पहुंच उपलब्ध होगी। बैंकएश्योरेंस बैंक और बीमा कंपनी के बीच करार होता है। इसके जरिए बीमा कंपनी के उत्पादों की पेशकश बैंक के ग्राहकों को की जाती है। इस करार के जरिए आईसीआईसीआई लोम्बार्ड का लक्ष्य देश के 28 शहरों और आठ संघ शासित प्रदेशों में यस बैंक के ग्राहकों को नवोन्मेषी बीमा समाधान उपलब्ध कराने का है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड के कार्यकारी निदेशक संजीव मंत्री ने कहा, ''दोनों ब्रांडों के बीच इस तालमेल से यस बैंकों के ग्राहकों को लाभ मिल सकेगा।

उर्वरक उत्पादन में 2023 तक भारत होगा आत्मनिर्भर: गौड़ा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डीवी सदानंद गौड़ा ने रविवार को कहा कि 2023 तक भारत, उर्वरकों के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के तहत देश में 40,000 करोड़ रुपए की लागत से नई उर्वरक उत्पादन इकाइयों की स्थापना की जा रही है जिससे आयात पर निर्भरता में भी कमी आएगी। कर्नाटक के किसानों पर इफको द्वारा आयोजित एक वेबिनार (इंटरनेट के जरिए आयोजित कार्यक्रम) में केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री गौड़ा ने कहा कि सरकार देश में जैविक और नैनो उर्वरकों के उत्पादन को प्रोत्साहित कर रही है, क्योंकि वे 25 से 30 प्रतिशत तक किफायती हैं, 18 से 35 प्रतिशत तक अधिक उपज देते हैं और मिट्टी की उर्वरता को भी बनाए रखते हैं। उन्होंने इफको के नैनो उर्वरक के उपयोग की सराहना करते हुए इसे पासा पलटने वाला बताया। इसका किसानों और कृषि विश्वविद्यालयों सकारात्मक प्रक्रिया मिली है। मंत्री ने कहा, ''भारत 2023 तक उर्वरकों के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो जाएगा क्योंकि आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के तहत देश में 40,000 करोड़ रुपए की लागत से नई उर्वरक उत्पादन इकाइयों की स्थापना की जा रही है।

अमेजन पर सुनाई देगी बिग बी की आवाज, मौसम से लेकर ताजा खबर की देंगे जानकारी

नई दिल्ली।

बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने अमेजन के साथ उसके एलेक्सा उपकरण के लिए आवाज देने का करार किया है। एलेक्सा अमेजन ने अपने ब्लॉग पोस्ट में लिखा है कि कंपनी और बच्चन ने अनोखा सेलिब्रिटी वॉयस अनुभव प्रदान करने के लिए साझेदारी की है। ऐसा पहली बार है जब अमेजन एलेक्सा पर किसी बॉलीवुड एक्टर की आवाज सुनाई देगी और इसका नाम बच्चन एलेक्सा रखा गया है। कंपनी ने कहा, 'भारत में लोग एलेक्सा पर अमिताभ बच्चन की आवाज सुन सकेंगे। इसके लिए उन्हें उनकी आवाज वाला एलेक्सा उपकरण संस्करण खरीदना होगा। एलेक्सा पर यह फीचर अगले साल तक उपलब्ध होगा।' अमेजन एलेक्सा की टीम बच्चन के साथ मिलकर करीब से काम करेगी और उनकी जानी-पहचानी आवाज को एलेक्सा ग्राहकों की जरूरत के अनुरूप ढालेगी। बच्चन एलेक्सा से बात करने पर आपको बस इतना ही कहना होगा. बॉलीवुड के शांहशाह की आवाज का हर कोई कायल है। उनकी यही आवाज एलेक्सा के जरिए सुनाई देगी। जिसमें उनकी आवाज में ग्राहक चुटकुले, शायरी, मौसम की जानकारी, सूक्तियां और परामर्श इत्यादि का लुत्फ ले सकेंगे। बच्चन ने कहा, 'प्रौद्योगिकी ने हमेशा मुझे किसी नये तरीके को अपनाने का मौका दिया है। फिर यह फिल्में हो, टीवी शो या पॉडकास्ट (रेडियो) और अब मैं अमेजन एवं एलेक्सा के साथ साझेदारी कर आवाज के इस अनुभव को तैयार करने लिए रोमांचित हूं।'

ऑनलाइन शॉपिंग में तेजी के बीच एक लाख नई नियुक्तियां करेगी अमेजन

न्यूयॉर्क। ऑनलाइन ऑडरों में तेजी के बीच ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने 1,00,000 नए लोगों की नियुक्ति करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि नई नियुक्तियां अस्थायी और स्थायी दोनों तरह के पदों पर की जाएगी। ये नए कर्मचारी ऑर्डर की पैंकिंग, डिलिवरी या उन्हें छांटने का काम करेंगे। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ये नियुक्तियां छुट्टियों में की जाने वाली भर्तियों की तरह नहीं होंगी। सिएटल की ऑनलाइन कंपनी का कारोबार काफी तेजी से बढ़ रहा है। अप्रैल और जून के दौरान कंपनी ने रिकॉर्ड मुनाफा और आय दर्ज की है। कारोनो वायरस महामारी के दौरान लोग किराना और अन्य सामान ऑनलाइन खरीदना पसंद कर रहे हैं। ऑर्डरों को पूरा करने के लिए कंपनी पहले ही इस साल 1,75,000 लोगों की नियुक्ति करने वाली थी। पिछले सप्ताह कंपनी ने कहा था कि उसके पास 33,000 कॉरपोरेट औरप्रौद्योगिक नौकरियां हैं, जिनपर उसे नियुक्तियां करनी हैं। प्रौद्योगिक नौकरियां हैं, जिनपर उसे नियुक्तियां करनी हैं। कंपनी ने कहा है कि अब उसे अपने 100 नए भंडारगृहों, पैकेज छंटाई केंद्रों और अन्य स्थानों पर नए लोगों की जरूरत है।

अगस्त में बढ़ी महंगाई, थोक मंहगाई दर बढ़कर 0.16 प्रतिशत पर आई

नई दिल्ली। खाद्य और विनिर्मित उत्पाद महंगे होने से अगस्त में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति बढ़कर 0.16 प्रतिशत पर पहुंच गई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी बयान में यह जानकारी दी गई है। इससे पहले पिछले कई महीनों तक थोक मुद्रास्फीति नकारात्मक दायरे यानी शून्य से नीचे रही थी। अप्रैल में यह -1.57 प्रतिशत, मई में -3.37 प्रतिशत, जून में -1.81 प्रतिशत और जुलाई में -0.58 प्रतिशत रही थी। बयान में कहा गया है कि अगस्त में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 0.16 प्रतिशत (अस्थायी) रही है। अगस्त, 2019 में यह 1.17 प्रतिशत थी। अगस्त में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति 3.84 प्रतिशत रही। इस दौरान आलू के दाम 82.93 प्रतिशत बढ़े। सब्जियों की मुद्रास्फीति 7.03 प्रतिशत रही। इस दौरान प्याज हालांकि 34.48 प्रतिशत सस्ता हुआ। समीक्षाधीन महीने में ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति घटकर 9.68 प्रतिशत रह गई। इससे पिछले महीने यानी जुलाई में यह 9.84 प्रतिशत थी। हालांकि, इस दौरान विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति बढ़कर 1.27 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 0.51 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले महीने मौद्रिक समीक्षा में मुद्रास्फीति के ऊपर की ओर जाने के जोखिम की वजह से नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया था।

खाना पकाने के लिए गैस से सस्ता होगा यह विकल्प, मोदी सरकार इस योजना पर कर रही काम

बिजनेस डेस्क।

बिजली मंत्री आरके सिंह ने कहा कि सरकार गरीबों की मदद के लिए खाना पकाने में व्यापक स्तर पर विद्युत के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने पर विचार कर रही है। बिजली मंत्रालय के बयान के अनुसार मंत्री ने कहा कि समाज के गरीब तबकों को उनकी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए सस्ते विकल्प के रूप में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इससे न केवल देश आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होगा, बल्कि आयात (पेट्रोलियम) पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिलेगी। मंत्री ने एनटीपीसी के नबीनगर, बाढ़ और बरौनी में क्रमशः सर्विस बिल्डिंग, शॉपिंग परिसर और मेन प्लांट कैंटीन का उद्घाटन करते हुए उक्त बातें कही। ये केंद्र बिहार के लोगों और एनटीपीसी के कर्मचारियों की सुविधा के लिए बनाए गए हैं। सिंह ने कहा, विद्युत भारत का भविष्य है और आने वाले समय में देश की ज्यादातर बुनियादी सुविधाएं विद्युत ऊर्जा पर ही निर्भर होंगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने मंत्रालय स्तर पर एक पावर फाउन्डेशन के गठन का प्रस्ताव किया है। इसके लक्ष्यों में खाना पकाने के काम में सिर्फ विद्युत का उपयोग किया जाना शामिल हैं। इससे न केवल हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी बल्कि आयात पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिलेगी। सिंह ने कहा कि हमारी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए कार्यरत है और यह कदम समाज के गरीब वर्ग को खाना पकाने के लिए सस्ते विकल्प उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लॉकडाउन के दौरान भी गरीबों को ध्यान में रखते हुए पीएम आवास योजना और हर घर बिजली जैसी योजनाओं पर काम करना जारी रखा है। मंत्री ने एनटीपीसी के विभिन्न प्रयासों की सराहना की, जो देश के आर्थिक विकास की दिशा में इस विद्युत उत्पादक कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, हमेशा से सार्वजनिक उपक्रमों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जाते रहे हैं, किंतु अगर एनटीपीसी और अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के प्रदर्शन को देखा जाए तो साफ है कि इसके प्रयास अन्य निजी कंपनियों से भी बेहतर रहे हैं और प्रगति के साथ लाभ भी कमाते रहे। मैं एनटीपीसी के प्रति आभारी हूं, जिसने राष्ट्र निर्माण हेतु बिहार एवं अन्य राज्यों की प्रगति में उल्लेखनीय साझेदार की भूमिका निभाई है।

इस मौके पर एनटीपीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह ने कहा, एनटीपीसी खाने पकाने में विद्युत के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है. हमें विश्वास है कि हम देश भर में इस मॉडल का अनुकरण कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि एनीपीसी की बिहार में 3,800 मेगावाट क्षमता की परियोजना निर्माणधीन है और कंपनी राज्य के प्रगति में योगदान देना जारी रखेगी। एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित क्षमता 62,900 मेगावाट है। इसके 70 बिजलीघर हैं।

सोने-चांदी की कीमतों में हुआ बदलाव

नई दिल्ली । सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। देश भर की सर्राफा मार्किट में आज सोना-चांदी गिरावट के साथ खुले। बीते शुक्रवार के मुकाबले सोमवार को 24 कैरेट सोने की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। सोने का हाजिर भाव आज 55 रुपए प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर 51386 रुपए पर खुला। इसके साथ 23 कैरेट सोना 51180 रुपए, 22 कैरेट सोना 47070 रुपए और 18 कैरेट सोना 38540 रुपए प्रति 10 ग्राम के रेट्स के साथ खुला। चांदी की बात करें तो 198 रुपए नीचे खुली। चांदी का भाव 65226 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सोमावार 14 सितंबर 2020 को देशभर के सर्राफा बाजारों सोने-चांदी के भाव इस प्रकार रहे.. पिछले हफ्ते में आखिरी कारोबारी दिन में सोने में गिरावट देखने को मिली थी, लेकिन आज एक बार फिर से सोने में बढ़त देखने को मिल रही है। बीते हफ्ते शुक्रवार को 51,319 पर बंद हुआ सोना आज 280 रुपये की बढ़त के साथ 51,599 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला। शुरूआती कारोबार में सोने में कोई तेजी देखने को नहीं मिली, बल्कि सोना अपने ओपनिंग रेट्स से नीचे आता दिखा। कुछ ही देर के कारोबार में सोने ने 51,456 का न्यूनतम स्तर भी छू लिया। सोने ने 51,456 का न्यूनतम स्तर भी छू लिया। अभी तक सोने की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है।

एसएंडपी का अनुमान, चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था में आएगी 9प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में नौ प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया है। एसएंडपी ने सोमवार को 2020-21 के लिए भारत के वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर नकारात्मक नौ प्रतिशत कर दिया। पहले उसने भारतीय अर्थव्यवस्था में पांच प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया था। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स एशिया-प्रशांत के अर्थशास्त्री विश्रुत राणा ने कहा, ''कोविड-19 के मामले लगातार बढ़ने की वजह से निजी आर्थिक गतिविधियां रुकी हुई हैं। अमेरिकी रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''कोविड-19 के बढ़ते मामलों की वजह से भारत में निजी खर्च और निवेश लंबे समय तक निचले स्तर पर रहेगा। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स का अनुमान है कि 31 मार्च, 2021 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 9 प्रतिशत की गिरावट आएगी। इससे पहले एसएंडपी ने भारतीय अर्थव्यवस्था में 5 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया गया था। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली अप्रैल-जून की तिमाही में जीडीपी में 23.9 प्रतिशत की गिरावट उम्मीद से कहीं अधिक रही है। एसएंडपी ने कहा, ''जून में भारत ने लॉकडाउन में ढील दी। हमारा मानना है कि इस महामारी की वजह से देश में आर्थिक गतिविधियां अभी बाधित रहेंगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूटीओ) के आंकड़ों के अनुसार 11 सितंबर को समाप्त सप्ताह में भारत में प्रतिदिन औसतन 90,000 संक्रमण के नए मामले आए। अगस्त में यह औसत 70,000 प्रतिदिन का था। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि जब तक कि वायरस का प्रसार का रुकता नहीं है।

उपभोक्ता बाहर निकलकर खर्च करने में सतर्कता बरतेंगे तथा कंपनियां दबाव में रहेंगी। पिछले सप्ताह दो अन्य वैश्विक रेटिंग एजेंसियों मूडीज और फिच ने भी भारत की वृद्धि दर का अनुमान घटाया था। मूडीज ने चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में 11.5 प्रतिशत तथा फिच ने 10.5 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया है। हालांकि, गोल्डमैन सैश का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में 14.8 प्रतिशत की गिरावट आएगी।

इन्फोसिस करेगी कंपनी गाइडविजन का 260 करोड़ रुपए में अधिग्रहण, सर्विसनाउ क्षमता होगी मजबूत

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इन्फोसिस ने चेक गणराज्य की कंपनी गाइडविजन का तीन करोड़ यूरो (260.4 करोड़ रुपये) में अधिग्रहण करने की घोषणा की है। इन्फोसिस ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि यह अधिग्रहण उसकी अनुषंगी की अनुषंगी इन्फी कंसल्टिंग कंपनी लि. द्वारा किया जाएगा। इन्फोसिस ने बयान में कहा, 'गाइडविजन की प्रशिक्षण अकादमी तथा चेक गणराज्य, हंगरी, पोलैंड में निकटवर्ती क्षमताओं तथा जर्मनी और फिनलैंड में उपस्थिति से उसकी यूरोप के अपने ग्राहकों के लिए 'सर्विसनाउ' क्षमता मजबूत हो सकेगी।' सर्विसनाउ एक उपक्रम सॉफ्टवेयर कंपनी होती है जो क्लाउड कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म का विकास करती हैजिससे कंपनियों को डिजिटल कामकाज के प्रबंधन में मदद मिलती है। कंपनी ने कहा कि यह अधिग्रहण चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में पूरा होने की उम्मीद है। जिससे कंपनियों को डिजिटल कामकाज के प्रबंधन में मदद मिलती है। कंपनी ने कहा कि यह अधिग्रहण चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में पूरा होने की उम्मीद है।

एजीआर पर फैसले से अनिश्चितता दूर हुई, अब कारोबार सुगमता पर ध्यान दे सरकार: बीआईएफ

नई दिल्ली।

दूरसंचार उद्योग के शोध संस्थान ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम (बीआईएफ) का मानना है कि समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) पर फैसले के बाद अब कंपनियां निश्चिंतता के साथ अपनी कारोबारी योजनाओं को आगे बढ़ा सकती हैं। इसके साथ ही बीआईएफ ने कहा कि दूरसंचार विभाग को अब क्षेत्र में कारोबार सुगमता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिससे इसे मुनाफे में लाया जा सके और निवेशकों को आकर्षित किया जा सके। इसके अलावा बीआईएफ ने 'भारी-भरकम शुल्कों को भी कम करने की वकालत की है। बीआईएफ ने दूरसंचार विभाग से उन सिफारिशों पर तेजी से काम करने का आग्रह किया है जो क्षेत्र के नियामक द्वारा उसे सौंपी जा चुकी हैं। इनमें ब्रॉडबैंड के प्रसार के लिए सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क की सिफारिश भी शामिल है। बीआईएफ ने कहा कि भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की सिफारिशों पर निर्णय में देरी की काफी ऊंची आर्थिक लागत बैठेगी। वह भी ऐसे समय जबकि देश तेजी से डिजिटल बदलाव की दिशा में आगे बढ़ने की तैयारी कर रहा है। बीआईएफ के अध्यक्ष टी वी रामचंद्रन ने कहा, ''एजीआर पर फैसले के बाद सांविधिक बकाया के मुद्दे में स्पष्टता आ गई है। अब उद्योग अपनी कारोबारी योजना पर आगे बढ़ सकता है। रामचंद्रन ने कहा, ''सरकार को अब देखना होगा कि उद्योग को कैसे अधिक मुनाफे में लाया जा सकता है और कैसे निवेशकों को आकर्षित किया जा सकता है। अंततः यदि आप देश में निवेश लाना चाहते हैं।

तो आपको अपने यहां के कारोबारी माहौल को आकर्षक बनाना होगा।

13 राज्यों ने जीएसटी संग्रह में कमी को पूरा करने के लिए केंद्र को कर्ज के विकल्प सौंपे

नई दिल्ली।

जीएसटी संग्रह में कमी की क्षतिपूर्ति के लिए कुल 13 राज्यों ने केंद्र को कर्ज लेने के विकल्प सौंपे हैं। ये राज्य भाजपा शासित और उन दलों की सरकार वाले हैं जो विभिन्न मुद्दों पर केंद्र की नीतियों का समर्थन करते रहे हैं। इन 13 राज्यों में बिहार, ओड़िशा, आंध्र प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड और मेघालय शामिल हैं। वित्त मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार इसके अलावा छह राज्यों गोवा, असम, अरूणाचल प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम और हिमाचल प्रदेश एक-दो दिन में अपने विकल्प दे देंगे। चालू वित्त वर्ष में राज्यों को माल एवं सेवा (जीएसटी) संग्रह में 2.35 करोड़ रुपए के राजस्व कमी का अनुमान है। केंद्र के आकलन के अनुसार करीब 97,000 करोड़ रुपए जीएसटी क्रियान्वयन के कारण है जबकि शेष 1.38 लाख करोड़ रुपए के नुकसान की वजह कोविड-19 है। इस महामारी के कारण राज्यों के राजस्व पर प्रतिकूल असर पड़ा है। केंद्र ने पिछले महीने राज्यों को दो विकल्प दिए थे। इसके तहत 97,000 करोड़ रुपए रिजर्व बैंक द्वारा उपलब्ध करायी जाने वाली विशेष सुविधा से या पूरा 2.35 लाख करोड़ रुपए बाजार से लेने का विकल्प दिया गया था। साथ ही आरामदायक और समाज के नजरिए से अहितकर वस्तुओं पर 2022 के बाद भी उपकर लगाने का प्रस्ताव किया गया था। कुल 13 राज्यों में से 12 ने आरबीआई द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली विशेष सुविधा से कर्ज लेने का विकल्प चुना था। ये राज्य आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, सिक्कम, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और ओड़िशा हैं। अबतक केवल मणिपुर ने बाजार से कर्ज लेने का विकल्प चुना है। हालांकि गैर-भाजपा शासित राज्य जीएसटी राजस्व में कमी को पूरा करने के लिये कर्ज के विकल्प का विरोध कर रहे हैं। छह गैर-भाजपा शासित राज्यों पश्चिम बंगाल, केरल, दिल्ली, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु ने केंद्र को पत्र लिखकर विकल्पों का विरोध किया है जिसके तहत राज्यों को कमी को पूरा करने के लिए कर्ज लेने की जरूरत होगी। सूत्रों के अनुसार कुछ राज्यों ने कोई विकल्प का चयन किए बिना जीएसटी परिषद के चेयरपर्सन को अपने विचार दिए हैं।

उन्होंने अबतक विकल्प पर निर्णय नहीं किया है। जीएसटी परिषद की 27 अगस्त, 2020 को हुई 41वीं बैठक में राज्यों को कर्ज लेने के दो विकल्प दिए गए ताकि वे वित्त मंत्रालय के समर्थन से एक ही ब्याज दर पर आरबीआई की विशेष सुविधा के जरिए ऋण लेकर राजस्व में कमी की भरपाई को पूरा कर सके।

सीरम इंस्टीट्यूट ने कहा, दुनिया में आम लोगों तक कोविड-19 वैक्सीन पहुंचाने में लगेंगे 5 साल

नई दिल्ली।

सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ आदर पुनावाला ने कहा है कि दुनिया में हर व्यक्ति के लिए कोरोना वैक्सीन पहुंचाने के लिए पांच साल का समय लगेगा। फार्मा कंपनियां भी पूरी दुनिया के लोगों तक कोरोना वैक्सीन पहुंचाने के लिए तेजी से अपने उत्पादन क्षमता को नहीं बढ़ा रही हैं। आदर पुनावाला ने कहा कि साल 2024 से पहले दुनिया में सभी लोगों तक कोरोना वैक्सीन मुहैया नहीं कराई जा सकती। पुनावाला ने कहा कि अगर एक व्यक्ति को कोरोना वैक्सीन के दो डोज दिए जाते हैं तो हमें करीब 15 अरब डोज तैयार करने होंगे। ऐसे में में कोविड-19 वैक्सीन के लिए ठीक वैसे ही पहल की जरूरत होगी, जैसे खसरे की वैक्सीन के लिए की गई थी। उन्होंने भारत में वैक्सीन डिस्ट्रीब्युशन को लेकर चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि यहां कोल्ड चेन इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहद खस्ताहाल स्थिती में है। ऐसे में 1.4 अरब लोगों तक सुरक्षित तरीके से वैक्सीन पहुंचाना एक बड़ी चुनौती होगी। सीरम इंस्टीट्यूट कोरोन वैक्सीन बनाने के लिए 5 कंपनियों का सहयोग ले रही है और इनमें एस्ट्राजेनेका और नोवावैक्स भी शामिल है। सीरम इंस्टीट्यूट ने इन कंपनियों के साथ मिलकर 1 अरब डोज़ बनाने और 50 फीसदी भारत में देने का वादा किया है। के साथ भी करार कर सकती है ताकि स्पूतनिक वैक्सीन का प्रोडक्शन शुरू कर सके।कोरोनावायरस वैक्सीन के प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन पर पूनावाला का बयान काफी अहम हो जाता है क्योंकि डेवलपिंग देशों में वैक्सीन मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा हिस्सा सीरम इंस्टीट्यूट के पास है। पूनावाला ने कहा, प्रोडक्शन के मामले में दुनिया इस मामले में सकारात्मक खबर चाहती है लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसे हासिल करना मुमकिन है। के साथ डील के तहत सीरम इंस्टीट्यूट 68 देशों के लिए और के साथ वह 92 देशों के लिए वैक्सीन बना रही है।

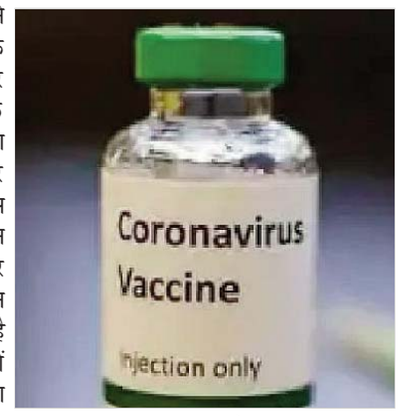

दिवाली तक 60 प्रतिशत उड़ानें शुरू होने की उम्मीद: इंडिगो

नई दिल्ली।

यात्रियों की संख्या के मामले में देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने दिवाली तक कोविड-19 से पहले की तुलना में 60 प्रतिशत उड़ानों के परिचालन पर पहुंचने की उम्मीद जताई है। मार्च में लागू पूर्णबंदी के बाद दो महीने के अंतराल पर 25 मई से घरेलू मार्गों पर यात्री उड़ानें फिर से चलनी शुरू हुई हैं। शुरुआत काफी धीमी रही। हवाई यात्री परिवहन में 60 फीसदी की बाजार हिस्सेदारी रखने वाली इंडिगो ने बताया कि अगस्त में उसने 32 प्रतिशत तक उड़ानों का परिचालन किया और अगले दो महीने में उसे 60 फीसदी पर पहुंचने की उम्मीद है। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोनोजॉय दत्ता ने बताया ''हवाई यात्रा की मांग और विमान सफर में यात्रियों का विश्वास धीरे-धीरे बढ़ रहा है। भरी सीटों के अनुपात, राजस्व और अग्रिम बुकिंग में स्थिर गति से वृद्धि हो रही है। मौजूदा रफ्तार से वृद्धि होती रही तो हमें दिवाली से पहले कोविड-पूर्व की तुलना में 60 प्रतिशत उड़ानों के परिचालन पर पहुंचने की उम्मीद है।

हम समय की जरूरत के हिसाब से अपने कारोबारी ढांचे में बदलाव करते रहेंगे। सरकार ने घरेलू यात्री सेवा दुबारा शुरू करते समय मई में कोविड-पूर्व की संख्या की तुलना में हर एयरलाइन को एक-तिहाई उड़ानें शुरू करने की अनुमति दी थी। जून के अंत में इस सीमा को बढ़ाकर 45 प्रतिशत किया गया था जिसे अब 60 प्रतिशत कर दिया गया है। सितंबर में देश में घरेलू उड़ानों की संख्या कोविड-पूर्व स्तर के एक-तिहाई पर पहुंच गई है। दोबारा उड़ानें शुरू होने पर इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गई है। नागर विमानन महानिदेशालय के आंकड़ों के अनुसार, कोविड-19 से पहले जहां उसकी बाजार हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से कुछ कम थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महेंद्र सिंह धोनी के इस हुनर के कायल हैं डेविड मिलर, कहा- मैं भी उनकी तरह बनना चाहता हूं

दुबई । महेंद्र सिंह धोनी के मैच जिताने के हुनर के कायल दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर लक्ष्य का पीछा करते हुए दबाव के हालात में भी शांतचित्त बने रहने के उनके गुण को आत्मसात करना चाहते हैं। मिलर 19 सितंबर से शुरू हो रही इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलेंगे। वह 8 साल तक किंग्स इलेवन पंजाब टीम में थे। उन्होंने कहा, 'धोनी जिस तरह से खेलते हैं, मैं उनका कायल हूं। वह दबाव के क्षणों में भी शांतचित्त रहते हैं। मैं भी उसी तरह से मैदान पर रहना चाहता हूं। मिलर ने कहा, 'बतौर बल्लेबाज उनकी भी ताकत और कमजोरियां है और मेरी भी। मैं लक्ष्य का पीछा करते समय उनकी तरह बल्लेबाजी करना चाहता हूं। मैं उनकी तरह 'फिनिशिर बनना चाहता हूं। उन्होंने कहा, 'देखते हैं कि मेरा कैरियर आगे कैसा होता है। उसके बाद ही मैं आकलन कर सकूंगा। धोनी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फिनिशर्स में से हैं और कई बार साबित कर चुके हैं। मुझे उनकी बल्लेबाजी देखना पसंद है। मिलर ने पिछले साल पंजाब के लिए 10 मैचों में 213 रन बनाए। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ साल से मै पंजाब के लिए ज्यादा मैच नहीं खेल रहा था और यही वजह है कि मैच भी नहीं जीत पा रहा था। अब मेरे पास ज्यादा अनुभव है और मुझे पता है कि क्या करना है।

चैम्पियनशिप

डोमिनिक थीम ने विश्व रिकॉर्ड बनाकर जीता अमेरिकी ओपन

न्यूयॉर्क ।

आस्ट्रिया के डोमिनिक थीम ने दो सेट गंवाने के बाद पांचवें सेटमें अभूतपूर्व टाइब्रेकर में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर अमेरिकी ओपन पुरूष एकल खिताब जीत लिया और दो सेट गंवाकर वापसी करने वाले वह 71 साल में पहले खिलाड़ी बन गए। दर्शकों के बिना आर्थर एशे स्टेडियम में हार की कगार पर पहुंचे थीम ने 2-6, 4-6, 6-4, 6-3, 7-6 से जीत दर्ज की। यह उनका पहला ग्रैंडस्लैम खिताब है। जीत के बाद उन्होंने कहा- आज शरीर पर विश्वास जीत गया।

मैं बहुत खुश हूं। तीसरे चैम्पियनशिप अंक पर बैकहैंड पर ज्वेरेव का शॉट जैसे ही बाहर गिरा, थीम ने अपना चेहरा हाथों से ढक लिया। इसके बाद ज्वेरेव उनकी तरफ आये और सामाजिक दूरी के इस दौर में उन्हें गले लगा लिया। थीम ने अपना सिर ज्वेरेव के कंधे पर रखा जो पहला ग्रैंडस्लैम जीतने से दो अंक से चूक गए। थीम ने कहा- काश आज दो विजेता घोषित होते। हम दोनों इसके हकदार थे। इससे पहले 1949 में टेड श्रोडेर को हराकर पांचो गोंजालेस ने जब खिताब जीता था तब उन्होंने भी दो सेट गंवाने के बाद वापसी की थी। पांचवें सेट में टाइब्रेकर इससे पहले नोवाक जोकोविच और रोजर फेडरर के बीच 2019 विम्बलडन फाइनल में खेला गया था जिसमें जोकोविच विजयी रहे थे। जर्मनी के ज्वेरेव ने कहा- मैं कुछ गेम और कुछ अंक से चूक गया। जर्मनी के लिए आखिरी बार 90 के दशक में बोरिस बेकर ने पुरूष एकल खिताब जीता था। थीम इससे पहले तीन ग्रैंडस्लैम फाइनल में हार चुके थे जिसमें उनका मुकाबला फेडरर या रफेल नडाल से हुआ था। उन्हें फ्रेंच ओपन 2018 और 2019 फाइनल में नडाल ने और इस साल फरवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन में जोकोविच ने हराया था।

मैच में ना तो दर्शकों का शोर था और ना ही तेज चिल्लाने की आवाजें। बाहर से हवाई जहाज, ट्रेनों, कार इंजन, हार्न और सायरन का शोर सुनाई दे रहा था। यदा कदा टूर्नामेंट स्टाफ की करतल ध्वनि सुनाई दे रही थी।

लोकी फर्ग्यूसन का खुलासा, कहा- 2008 में मैक्कुलम की पारी देखकर केकेआर का फैन बना

अबु धाबी।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज लोकी फर्ग्यूसन ने खुलासा करते हुए कहा है कि 2008 में ब्रेंडन मैक्कुलम की पारी देखने के बाद वह केकेआर के प्रशंसक बन गए। मैक्कुल ने केकेआर के लिए खेलते हुए 2008 में आईपीएल के पहले सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 73 गेंदों में 10 चौकों और 13 छक्के की मदद से 158 रन बनाए थे। मैक्कुलम इस सत्र में केकेआर के मुख्य कोच हैं। फर्ग्यूसन ने कहा, 'हम जब युवा थे उसी समय से ही आईपीएल देखते आ रहे हैं। जब हम बड़े हो रहे थे तब से ही मैक्कुलम हमारे हीरो थे। केकेआर के लिए पहले मैच में उन्हें शानदार प्रदर्शन करते हुए देखने के बाद केकेआर का प्रशंसक नहीं बनना बड़ा मुश्किल था। मैं काफी उत्साहित हूं। मेरे ख्याल से केकेआर की जर्सी मेरे ऊपर अच्छी लगेगी। हमारी टीम काफी मजबूत है। हम पिछले सत्र में ज्यादा आगे नहीं बढ़ सके थे लेकिन इस वर्ष हमारे पास अपना प्रदर्शन सुधारने का मौका है। उन्होंने कहा, 'मैक्कुलम को पहले सत्र में विस्फोटक तरीके से खेलते हुए देखना सुखद था। हमें नहीं पता था कि आईपीएल इतना बड़ा टूर्नामेंट बनेगा। मेरे ख्याल से न्यूजीलैंड का खिलाड़ी होने के नाते इस माहौल में खेलना थोड़ा अलग है क्योंकि हमारे यहां 20000 दर्शक काफी होते हैं। जब मैं पहली बार पुणे के लिए खेलने उतरा तो मैदान में काफी दर्शक थे और मैं इतनी शोर-शराबे में खुद को संतुलित नहीं रख पा रहा था। टीवी में मैच देखना अलग है लेकिन आईपीएल के दौरान मैदान में रहना एक अलग तरह का अनुभव है।

कार्लसन और नाकामुरा बने चैम्पियन शोडाउन 960 शतरंज के सयुंक्त विजेता

सेंट लुईस। विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन और अमेरिका के हिकारू नाकामुरा ने चैम्पियन शो डाउन 960 शतरंज के आखिरी दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए सयुंक्त पहला स्थान हासिल कर लिया और दोनों को 31,250 डॉलर पुरुष्कार स्वरूप हासिल हुए सेंट लुइस शतरंज क्लब द्वारा आयोजित 960 शतरंज जिसमें मोहरो की शुरुआती स्थिति बदल दी जाती है मे पिछले तीन दिनो में शानदार मुक़ाबले देखने को मिले । मेगनस कार्लसन नें दिन की शुरुआत सातवे राउंड में रूस के पीटर स्वीडलर के खिलाफ जीत से की पर उसके बाद अमेरिका के दोमिंगेज पेरेज और अर्मेनिया के लेवान आरोनियन से जीत के करीब जाकर भी ड्रॉ कर सके और इसीलिए हिकारु नाकामुरा भी फीडे के अलीरेजा फिरौजा पर जीत तो हमवतन वेसली और रूस के पीटर स्वीडलर से ड्रॉ करते हुए कार्लसन की बराबरी पर आ गए ।दोनों खिलाड़ी 6 अंक बनाकर सयुंक्त पहले स्थान पर रहे। कल तक सब से आगे चल रहे लेवोन अरोनियन अंतिम दिन कार्लसन और कास्पारोव से ड्रॉ कर सके तो फ्रांस के मेक्सिम लाग्रेव से हारकर सिर्फ 1 अंक ही बना पाये और 5.5 अंक बनाकर अमेरिका के फबियानों करूआना के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर रहे । अन्य खिलाड़ियों में अमेरिका के वेसलों सो 5 अंक बनाकर पांचवे ,4 अंक पर टाईब्रेक के आधार पर मेक्सिम लाग्रेव छठे तो दोमिंगेज पेरेज सातवे स्थान पर रहे ,गैरी कास्पारोव 3.5अंक बनाकर आठवे ,रूस के पीटर स्वीडलर 3 अंक बनाकर नौवे तो फीडे के अलीरेजा फिरौजा 2.5 अंक बनाकर अंतिम दसवें स्थान पर रहे । गैरी कास्पारोव 3.5अंक बनाकर आठवे ,रूस के पीटर स्वीडलर 3 अंक बनाकर नौवे तो फीडे के अलीरेजा फिरौजा 2.5 अंक बनाकर अंतिम दसवें स्थान पर रहे ।

मुंबई इंडियन्स के लिए कमजोर कड़ी साबित हो सकती है स्पिन गेंदबाजी

मुंबई ।

बड़े शॉट लगाने वाले बल्लेबाजों की मौजूदगी मौजूदा चैम्पियन मुंबई इंडियन्स को दमदार टीम बनाती है लेकिन अनुभवी तेज गेंदबाज लसित मलिंगा और अच्छे स्पिनरों की कमी इस टीम के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब बचाने की संभावनाओं को कमजोर कर सकती है। टीम अबुधाबी की धीमी पिचों पर अपने ज्यादतर (आठ) मैच खेलेगी और इन परिस्थितियों से सामंजस्य बैठान उसकी सफलता के लिए जरूरी होगा । कप्तान रोहित शर्मा और दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक की ठोस सलामी जोड़ी के लिए बल्लेबाजी में मुंबई इंडियन्स की ताकत होगी, इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई क्रिस लिन भी जरूरत पड़ने पर बेहतर विकल्प होगें। पिछली बार की विजेता टीम 19 सितंबर को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मुकाबले के लिए मैदान पर उतरेगी। सूर्यकुमार यादव, कीरोन पोलार्ड, चोट से वापसी कर रहे हार्दिक पंड्या और कुणाल पंड्या जैसे बल्लेबाज टीम के मध्यक्रम को मजबूती प्रदान करेंगे। दूसरे टीमों की तुलना में यहां मुंबई का पलड़ा थोड़ा भरी होगा क्योंकि ये सभी बड़े शॉट खेलने में माहिर है। उनकी मुख्य समस्या सही गेंदबाजी संयोजन बनाने में होगी, खासकर स्पिन विभाग में। तेज गेंदबाजी की बात करें तो मलिंगा व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट से हट गए है। उनकी गैरमौजूदगी में जसप्रीत बुमराह पर दबाव अधिक होगा। पिछले सत्र में टीम के लिए सबसे ज्यादा 19 विकेट लेने वाले बुमराह चोट के कारण लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहे है। विदेशी तेज गेंदबाजों में मिशेल मैक्लेनाघन और ट्रेंट बोल्ट बाएं हाथ से गेंदबाजी का विकल्प देते है जबकि नाथन कुल्टर नील गेंदबाजी हरफनमौला होंगे। ऑस्ट्रेलिया के जेम्स पैटिंसन के टीम में आने से विकल्प बढ़ा है। टीम में चयन को लेकर इन सबके बीच कड़ा मुकाबला होगा। खिताब के सबसे मजबूत दावेदारों में एक इस टीम को हालांकि अच्छे स्पिनरों की कमी महसूस हो सकती है। उनके पास कुणाल हैं, जो कामचलाऊ विकल्प की तरह है। टीम को पिछले सत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राहुल चाहर से उम्मीदें होगी। ऑफ स्पिनर जयंत यादव के लिए पिछला घरेलू सत्र अच्छा नहीं रहा ऐसे में यह देखना होगा कि उन्हें इस सत्र में कितने मैचों में मौका मिलता है। कैरेबियाई प्रीमियर लीग में के फाइनल में चार विकेट लेकर ट्रिनबागो नाइट राइडर्स को चैम्पियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले कीरोन पोलार्ड अपने कोटा का चार ओवर डाल सकते हैं। वह हालांकि पिछले कुछ सत्र से नियमित तौर पर गेंदबाजी नहीं कर रहे है। मुंबई इंडियन्स के साथ पिछले 10 साल से जुड़े 33 वर्षीय 146.77 के स्ट्राइक रेट से 2755 रन बनाए हैं। पोलार्ड ने आईपीएल में 176 छक्के भी मारे हैं जो इस टीम के किसी भी खिलाड़ी द्वारा सबसे अधिक है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनुस के पिता की मौत

स्पोर्ट्स डेस्क । पाकिस्तान के पूर्व तेज़ गेंदबाज और मौजूदा समय में पाकिस्तान के बॉलिंग कोच वकार यूनुस के पिता मोहम्मद यूनुस का निधन हो गया है। मोहम्मद यूनुस को दो दिन पहले लाहौर के एक हॉस्पिटल में गंभीर हालत में दाखिल करवाया गया था जहां आज उन्होंने दम तोड़ दिया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने वकार यूनुस के पिता की मौत पर दुख प्रगट किया है। वकार के पिता को जब अस्पताल पहुंचाया गया है तो उस समय वकार ऑस्ट्रेलिया में थे। हालांकि जब उन्हें अपने पिता के मौत की खबर मिली तो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों को स्थिति के बारे में अवगत करवाया और इजाजत मिलने के बाद रविवार देर रात लाहौर, पाकिस्तान लौट आए। गौर हो कि वकार ने टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट्स (373) लेने वाले दूसरे पाकिस्तानी है। वहीं वनडे में दुनिया के तीसरे सबसे ज्यादा विकेट्स (262 मैचों में 416 विकेट) झटकने वाले तीसरे गेंदबाज हैं।

हैदराबाद एफसी ने युवा खिलाड़ियों लालवम्पुइया और स्वीडन फर्नांडीस से किया करार

हैदराबाद । इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम हैदराबाद एफसी ने सोमवार को युवा खिलाड़ियों लालवम्पुइया और स्वीडन फर्नांडीस के साथ लंबी अवधि का करार किया। इन दोनों खिलाड़ियों की उम्र 20 साल है और ये दोनों इससे पहले तीन साल तक एफसी गोवा टीम के साथ थे। उन्होंने हैदराबाद एफसी के साथ भी तीन साल का करार किया है जो 2022-23 सत्र के आखिर तक जारी रहेगा। मिजोरम के लालवम्पुइया, ओपी के नाम से पहचाने जाते है। उन्होंने इससे पहले एफसी गोवा के अलावा पुणे एफसी और डीएसके शिवाजियंस का प्रतिनिधित्व किया है। फर्नांडीस हैदराबाद एफसी, एफसी गोवा से जुड़ने से पहले स्पोर्टिंग क्लब डे गोवा और डेम्पो एफसी की युवा टीमों का हिस्सा थे। हैदराबाद एफसी के सह-मालिक वरुण त्रिपुरानेनी ने कहा, 'इस क्लब में हमारे लिए युवाओं को बढ़ावा देना काफी अहम है हम न केवल उनका विकास करना चाहते हैं, बल्कि युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के अवसर भी प्रदान करते हैं।

तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने चेताया, कहा- आईपीएल 2020 में सभी टीमों के लिए ये होगी बड़ी चुनौती

दुबई ।

लसित मलिंगा की अनुपस्थिति में मुंबई इंडियन्स की गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करने के लिए तैयार न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सत्र में सभी टीमों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यहां की गर्म और उमस भरी परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने की होगी। पिछले साल दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करने वाले बोल्ट चार बार की इस चैम्पियन टीम से पहली बार जुड़ें है। मलिंगा के व्यक्तिगत कारणों से टूर्नामेंट से हटने के बाद उन्हें टीम में ज्यादा बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। नयी टीम से जुड़ने के बारे में बोल्ट ने कहा कि किसी भी गेंदबाज के लिए मुंबई इंडियन्स की तरह बल्लेबाजी क्रम खिलाफ नहीं खेलना राहत की बात होगी। मुंबई इंडियन्स के ट्विटर पर पोस्ट किए गए वीडियो में बोल्ट ने कहा, 'हमारी सबसे बड़ी चुनौती रेगिस्तान के बीच में 45 डिग्री सेल्सियस के तापमान में खुद को तैयार करने की होगी। मैं एक बहुत छोटे देश न्यूजीलैंड से आता हूं जहां अभी सर्दियों का मौसम है। वहां इस समय तापमान लगभग सात या आठ डिग्री है। उन्होंने कहा, 'जाहिर है, मैंने कुछ अन्य फ्रेंचाइजियों का भी प्रतिनिधित्व किया है, लेकिन मैं इस मुंबई परिवार का हिस्सा बन कर बहुत उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, अपने अनुभव से कहूं तो मैंने मुंबई के खिलाफ खेला है और जब आप ऐसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलते है तो चुनौती डराने वाली होती है। इस मामले में इस बार दूसरी तरफ होना और इस शांत समूह का हिस्सा बनना अच्छा है। यूएई में क्रिकेट खेल चुके बोल्ट ने कहा कि उनकी टीम की गेंदबाजी में किसी भी विरोधी टीम को पस्त करने का दमखम है। इस 31 साल के गेंदबाज ने कहा, 'मैंने यहां थोड़ा क्रिकेट खेला है और मुझे पता है कि इस समय यहां परिस्थितियाँ काफी हद तक बदल सकती हैं। मुझे उम्मीद है कि यहां पिचें अच्छी होगी। हमारे पास किसी भी विरोधी टीम को पस्त करने का कौशल है। मुंबई इंडियन्स आईपीएल खिताब बचाने के अपने अभियान को 19 सितंबर को गत उपविजेता चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ शुरू करेगी।

धोनी और कोहली की कप्तानी पर खुलकर बोले गौतम गंभीर, बताया सबसे बड़ा फर्क

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी गौतम गंभीर ने चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली की कप्तानी के बीच एक बड़ा फर्क बताया है। आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से एक सीएसके ने 3 बार आईपीएल का खिताब जीता है जबकि कोहली की कप्तानी में आरसीबी एक बार भी ट्रॉफी पर कब्जा नहीं कर सका। गंभीर ने इन दोनों कप्तानी में फर्क बताते हुए एक शो में कहा, धोनी और कोहली की कप्तानी में सबसे बड़ा फर्क है कि धोनी खिलाड़ियों को 6-7 मैचों में मौका देते हैं। अगर आप आरसीबी को देखें तो वह अपनी प्लेइंग इलेवन में बहुत तेजी से बदलाव करते हैं और इसमें ठीक से बैलेंस भी नहीं बनता। उन्होंने कहा, इसके बावजूद मुझे लगता है कि आरसीबी की बल्लेबाजी मजबूत है। लेकिन लेकिन एक बात जो आपको थोड़ी अलग दिखाई देगी वह यह है कि गेंदबाज खुश होंगे क्योंकि उन्हें चिन्नास्वामी स्टेडियम में 7 मैच नहीं खेलने होंगे। गंभीर ने आगे इस पर बात करते हुए कहा, इसलिए मैं आरसीबी की और से देखना चाहता हूं कि भले ही शुरुआत अच्छी न हो, लेकिन उन्हें अपने प्लेइंग इलेवन के साथ बने रहना चाहिए और उन्हें 6-7 मैच खिलाने चाहिए। तभी खिलाड़ी आपको प्रदर्शन करके दिखाएंगे। इसलिए अगर विराट कोहली के मन में शांति है कि यह सबसे संतुलित टीम है, तो महत्वपूर्ण बात यह होगी कि वे कैसा प्रदर्शन करते हैं और इन खिलाड़ियों के साथ कितना टिकते हैं। भले ही शुरुआत अच्छी न हो, लेकिन उन्हें अपने प्लेइंग इलेवन के साथ बने रहना चाहिए और उन्हें 6-7 मैच खिलाने चाहिए। तभी खिलाड़ी आपको प्रदर्शन करके दिखाएंगे। इसलिए अगर विराट कोहली के मन में शांति है कि यह सबसे संतुलित टीम है, तो महत्वपूर्ण बात यह होगी कि वे कैसा प्रदर्शन करते हैं और इन खिलाड़ियों के साथ कितना टिकते हैं।

गौतम गंभीर को पंजाब के इस खिलाड़ी में दिखती है डीविलियर्स की झलक

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने एक शो के दौरान कहा है कि किंग्स इलेवन पंजाब के पास इस बार कई खतरनाक बल्लेबाज हैं। खास तौर पर उनके पास निकोल्स पूरण हें जोकि कहीं न कहीं डीविलियर्स की याद दिलाते हैं। उम्मीद है कि अनिल कुंबले पूरण का भरपूर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। गंभीर ने कहा- मैं इस आईपीएल सीजन युवा प्लेयर के तौर पर निकोलस पूरन को करीब से देखना चाहूंगा। 360 डिग्री प्लेयर के तौर पर हम एबी डीविलियर्स की बात करते हैं, निकोलस पूरन के पास भी सारे शॉट्स हैं। वो रिवर्स स्वीप खेल सकते हैं, नॉर्मल स्वीप खेल सकते हैं और सारे बड़े शॉट्स खेलने की क्षमता उनके पास है। बता दें कि किंग्स इलेवन पंजाब की टीम ने वेस्टइंडीज के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन को 4.2 करोड़ में खरीदा था। पूरण ने आईपीएल 2019 में पंजाब के लिए 7 मैच खेले थे जिसमें उन्होंने 28 की औसत से 168 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 157.01 का रहा था। पूरण का वेस्टइंडीज की ओर से प्रदर्शन अच्छा रहा है। वह 21 टी-20 इंटरनेशनल मैच में 124.73 के स्ट्राइक रेट से 353 रन बना चुके हैं।

जोफ्रा ऑर्चर के आगे बेबस हुए डेविड वार्नर, बेहद शर्मनाक है रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।

इंगलैंड और ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के दौरान डेविड वार्नर खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। उन्हें इंगलैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने खूब परेशान किया है। ऑर्चर ने 11 पारियों में डेविड वार्नर को गेंदबाजी की है। ऑर्चर द्वारा फेंकी गई 76 गेंदों पर वार्नर 57 ही रन बना पाए जबकि वह इस दौरान सात बार अपनी विकेट भी गंवा बैठे। इससे पहले एशेज सीरीज के दौरान वार्नर का इंगलैंड के खिलाफ प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। एशेज में डेविड वार्नर को इंगलैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड को खेलने में दिक्कत आई थी। इस बार वनडे फॉर्मेट में आर्चर उन्हें लगातार परेशान कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया और इंगलैंड के बीच मैनचैस्टर के मैदान पर खेले गए दूसरे वनडे में वार्नर छह ही रन बना पाए थे। ऑस्ट्रेलिया को 231 रन का लक्ष्य मिला था जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ओपनर वार्नर और फिंच मजबूत शुरुआत करने के लिए उतरे थे। वार्नर एक बार फिर से आर्चर का शिकार हो गए। हालांकि फिंच ने लाबुशेन के साथ स्कोर आगे बढ़ाया लेकिन मध्यक्रम की विफलता के कारण इंगलैंड को यह मैच गंवाना पड़ा। बता दें कि वार्नर की यह खराब फॉर्म कहीं न कहीं आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खतरे की घंटी है। केन विलियमसन को हटाकर हैदराबाद ने इस बार वार्नर को टीम का कप्तान चुना है। अगर वार्नर की पिछली चार पारियां देखी जाएं तो उनके बल्ले से 58, 0, 6, 6 के स्कोर निकले। आईपीएल सामने हैं ऐसे में हैदराबाद फ्रेंचाइजी और फैंस उनकी फॉर्म को देखकर चिंता में पड़ जाएंगे।

टेनिस रैंकिंग : डोमिनिक थिएम और राफेल नडाल में फासला कम हुआ

नई दिल्ली । वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन की समाप्ति के बाद जारी ताजा विश्व एकल टेनिस रैंकिंग में पहले नौ स्थानों पर कोई बदलाव नहीं हुआ है लेकिन दूसरे स्थान पर मौजूद स्पेन के राफेल नडाल और नए यूएस ओपन चैंपियन बने ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम के बीच रैंकिंग अंकों का फासला कम हो गया है। थिएम ने जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को रविवार को 2-6, 4-6, 6-4, 6-3, 7-6 (6) से पराजित किया और अपना पहला ग्रैंड स्लेम खिताब जीता। थिएम के यूएस ओपन शुरू होने से पहले 7135 अंक थे लेकिन यह ग्रैंड स्लेम जीतने से उन्हें 1990 अंकों का फायदा हुआ और उनके अब 9125 अंक हो गए हैं। ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी का तीसरा स्थान बना हुआ है लेकिन उनके और नडाल के बीच अब अंकों का फासला घटकर 715 अंक रह गया है जबकि पहले यह फासला 2715 अंकों का था। नडाल कोरोना महामारी के चलते यूएस ओपन में नहीं उतरे। नडाल अपने दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। चौथे दौर लाइन जज पर बॉल मारने के कारण टूर्नामेंट से बाहर कर दिए गए विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच का पहला स्थान कायम है और उनके खाते में 10860 अंक हैं। टूर्नामेंट से बाहर किए जाने के कारण जोकोविच को कोई अंक नहीं मिला। फाइनल में पराजित हुए ज्वेरेव का सातवां स्थान बना हुआ है। उन्हें 1020 अंकों का फायदा हुआ है और उनके अंक बढ़कर 3630 से 4650 हो गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी पर फिर राहुल गांधी का हमला-एक व्यक्ति के अहंकार के कारण देशभर में फैल गया कोरोना

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना महामारी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधे-सीधे निशाना साधते हुए कहा कि उनके 'अहंकार के कारण% यह महामारी देशभर में फैल गई है। राहुल ने एक ट्वीट किया कि कोरोना संक्रमण के आंकड़े इस हफ्ते 50 लाख और सक्रिय मामलों की संख्या 10 लाख पार कर जाएगी। अनियोजित लॉकडाउन एक व्यक्ति के अहंकार की देन है जिससे कोरोना देशभर में फैल गया। राहुल ने प्रधानमंत्री पर को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार ने कहा आत्मनिर्भर बनिए यानि अपनी जान खुद ही बचा लीजिए क्योंकि प्रधानमंत्री मोर के साथ व्यस्त हैं। उनका इशारा मोदी द्वारा पिछले दिनों साझा किए गए उस वीडियो की तरफ था जिसमें प्रधानमंत्री मोर को दाना खिलाते दिख रहे हैं। उन्होंने एक कविता लिखकर यह वीडियो साझा किया था। उनका इशारा मोदी द्वारा पिछले दिनों साझा किए गए उस वीडियो की तरफ था जिसमें प्रधानमंत्री मोर को दाना खिलाते दिख रहे हैं। उन्होंने एक कविता लिखकर यह वीडियो साझा किया था। बता दें कि राहुल गांधी इन दिनों सोनिया गांधी के इलाज के लिए उनके साथ विदेश गए हुए हैं। राहुल के एक हफ्ते बाद भारत लौटने की संभावना है। राहुल के एक हफ्ते बाद भारत लौटने की संभावना है।

लोकसभा में उठा ड्रग्स का मुद्दा, रवि किशन बोले- जांच जरूरी...एक्शन ले केंद्र सरकार

नेशनल डेस्क।

कोरोना काल के बीच सोमवार को संसद के मानसून सत्र की सुबह करीब 9 बजे शुरुआत हुई। सदन की कार्रवाई शुरू होने पर सबसे पहले पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी गई जिसके बाद लोकसभा की कार्रवाई एक घंटे के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं दोबारा कार्रवाई शुरू होने पर सांसद रवि किशन ने बॉलीवुड में ड्रग्स का मुद्दा उठाया। रवि किशन ने कहा कि ड्रग्स की जांच होना बहुत जरूरी है क्योंकि यह एक गंभीर मुद्दा है। लोकसभा की कार्रवाई 14 सितंबर को पहले दिन सुबह 9 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक चलेगी और फिर 15 सितंबर से 1 अक्टूबर तक दोपहर 3 बजे से शाम 7: 00 बजे तक लोकसभा का सदन बैठेगा। इसी तरह राज्यसभा की कार्रवाई भी 14 सितंबर को दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक होगी, लेकिन 15 सितंबर से सुबह 9 बजे से 1: 00 बजे तक रहेगी। कोरोना को देखते हुए लोकसभा और राज्यसभा की टाइमिंग अलग-अलग रखी गई है। सरकार की नजर 23 विधेयकों पर चर्चा और इसे पारित कराने पर है। इसमें 11 ऐसे विधेयक भी हैं जो अध्यादेशों का स्थान लेंगे। इनमें से चार विधेयकों का विपक्षी दल विरोध कर सकते हैं। ये चारों विधेयक कृषि क्षेत्र और बैंकिंग नियमन से जुड़े अध्यादेश का स्थान लेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी सत्र के ज्यादातर हिस्से से अनुपस्थित रहेंगी क्योंकि वह नियमित जांच के लिए शनिवार को अमेरिका गई हैं और एक पखवाड़ा बाद लौटेंगी। उनके साथ उनका बेटा और कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी गए हैं। राहुल गांधी के एक हफ्ते में लौट आने की संभावना है।

चाचा-भतीजा मिलकर सैनी को बचा रहें हैं- जीके

नई दिल्ली। 1991 के बलवंत सिंह मुलतानी अपहरण और हत्या मामले में नामजद पंजाब पुलिस के पूर्व डीजीपी सुमेध सैनी को गिरफ्तार करने में असफल रहने पर पंजाब पुलिस के खिलाफ शांतिपूर्ण रोष प्रदर्शन जागो पार्टी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके के नेतृत्व में सिख संगतों के द्वारा किया गया। पंजाब भवन की ओर कूच करने के लिए सिख संगतों ने प्रदर्शन की शुरुआत मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन के पास स्थित बाबा बंदा सिंह बहादर की प्रतिमा से करनी की थी। पर पुलिस के उच्च अधिकारियों ने धारा 144 लगी होने तथा कोविड की महामारी का हवाला देते हुए संगतों को मंडी हाउस से मार्च निकालने की मंजूरी नहीं दी।जिसके बाद संगतों ने सोशल डिस्टेंसिग का पालन करते हुए मंडी हाउस बस स्टाप के नीचे मानव श्रृंखला बना ली और सैनी की गिरफ्तारी के लिए जोरदार नारेबाजी की। पुलिस की लगातार चेतावनीयों के बाद जीके ने प्रदर्शन समाप्त करने का ऐलान किया।हाथों में तख्तियाँ व बैनर पकड़े प्रदर्शनकारी सैनी की गिरफ्तारी की माँग कर रहें थे।प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जीके ने कहा कि मोहाली कोर्ट ने सैनी की गिरफ्तारी के लिए गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है। साथ ही पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने सैनी को इस मामले में जमानत देने से इंकार कर दिया है। पर हैरानी की बात है कि जैड सुरक्षा प्राप्त सैनी पंजाब पुलिस की नाक के नीचे से फरार हो जाता है।

मुंबईः सायन अस्पताल ने दूसरे को दे दिया किसी और का शव, परिजनों ने किया जमकर हंगामा

नेशनल डेस्क। मुंबई के नगर निकाय के एक अस्पताल ने 28 वर्षीय युवक का शव गलत परिवार को सौंप दिया, जिसके बाद मृतक के रिश्तेदारों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया। मृतक के परिवार के सदस्यों ने यह भी आरोप लगाया कि पोस्टमार्टम के दौरान उसका गुर्दा निकाल लिया गया है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने सोमवार को बताया कि यह गलती लोकमान्य तिलक महानगरपालिका सर्वसाधरण रूग्णालय में रविवार को हुई। इसके बाद अस्पताल के मुर्दाघर के कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। ने पोस्टमार्टम के दौरान गुर्दा निकालने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि दोषी पाए जाने वाले कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अस्पताल ने सड़क हादसे में जख्मी होने के बाद इलाज के दौरान दम तोड़ने वाले अंकुश सर्वाडे (28) के शव को हेमंत दिगम्बर के परिवार को सौंप दिया। हेमंत दिगम्बर ने खुदकुशी की थी। इस अस्पताल को सायन अस्पताल के नाम से भी जाना जाता है। गलती सामने आने के बाद अकुंश सर्वाडे के परिवार ने अस्पताल में प्रदर्शन किया। बताया कि अकुंश को 28 अगस्त को अस्पताल में भर्ती कराया गया था ।

प्रशांत भूषण बोले-जुर्माना भरने का यह मतलब नहीं मैंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मान लिया

नेशनल डेस्क।

अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने सोमवार को कहा कि अवमानना मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा उन पर लगाए गए एक रुपए का सांकेतिक जुर्माना भरने का यह मतलब नहीं है कि उन्होंने फैसला स्वीकार कर लिया है और वह इस पर पुनर्विचार के लिए याचिका दायर करेंगे। भूषण के दो ट्वीट को अदालत की अवमानना के रूप में देखा गया और शीर्ष अदालत ने उन पर एक रुपये का सांकेतिक जुर्माना लगाया था। शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री में जुर्माना जमा करने वाले भूषण ने कहा कि जुर्माना भरने के लिए उन्हें देश के कई कोनों से योगदान मिला है और इस तरह के योगदान से ऐसा ''ट्रूथ फंड (सत्य निधि) बनाया जाएगा जो उन लोगों की कानूनी मदद करेगा जिन पर असहमतिपूर्ण राय व्यक्त करने के लिए मुकद्दमा चलाया जाता है भूषण ने जुर्माना भरने के बाद मीडिया से कहा कि सिर्फ इसलिए कि मैं जुर्माना भर रहा हूं इसका मतलब यह नहीं है कि मैंने फैसला स्वीकार कर लिया है। हम आज एक पुनर्विचार याचिका दायर कर रहे हैं। हमने एक रिट याचिका दायर की है कि अवमानना के तहत सजा के लिए अपील की प्रक्रिया बनाई जानी चाहिए। वकील ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र उमर खालिद की दिल्ली दंगों में कथित भूमिका के लिए गिरफ्तारी पर भी बात की और कहा कि सरकार आलोचना बंद करने के लिए हर तरह के हथकंडे अपना रही है। कथित भूमिका के लिए गिरफ्तारी पर भी बात की और कहा कि सरकार आलोचना बंद करने के लिए हर तरह के हथकंडे अपना रही है। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका के प्रति अपमानजनक ट्वीट करने के कारण आपराधिक अवमानना के दोषी भूषण पर एक रुपए का सांकेतिक जुर्माना लगाया था। कोर्ट ने कहा था कि भूषण को जुर्माने की एक रुपये की राशि 15 सितंबर तक जमा करानी होगी और ऐसा नहीं करने पर उन्हें तीन महीने की कैद भुगतनी होगी तथा तीन साल के लिए वकालत करने पर प्रतिबंध रहेगा।

भारत में 11 सितंबर तक कोविड-19 के 45.62 लाख मामले, 76,271 लोगों की मृत्यु हुईः हर्षवर्धन

नई दिल्ली।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने सोमवार को कहा कि भारत में 11 सितंबर तक नोवेल कोरोना वायरस के कुल 45,62,414 मामले आए और 76,271 लोगों की संक्रमण से मृत्यु हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि संक्रमण से मृत्यु दर 1.67 प्रतिशत है। हर्षवर्धन ने लोकसभा में कहा कि अब तक 35,42,663 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं और यह संख्या कुल मामलों का 77.65 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि संक्रमण और उससे मौत के सर्वाधिक मामले मुख्यतः महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, ओडिशा, असम, केरल और गुजरात से आये हैं। उन्होंने कहा, च्च्इन सभी राज्यों में मामलों की संख्या अलग-अलग एक लाख से अधिक है। हर्षवर्धन ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनियाभर में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों की संख्या 2.79 करोड़ से अधिक है और संक्रमण से 9.05 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने कहा कि दुनिया में संक्रमण से मृत्यु की दर 3.2 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पूरी सरकार और संपूर्ण समाज के सहयोग से कोरोना वायरस से निपटने के प्रयासों के कारण भारत संक्रमण के मामलों और उससे जान गंवाने वाले रोगियों की संख्या को प्रति दस लाख आबादी पर 3,328 मामले और 55 लोगों की मौत तक सीमित रखने में सफल रहा है जो यह इसी तरह प्रभावित अन्य देशों की तुलना में दुनिया में सबसे कम दरों में से एक है। उन्होंने कहा कि संक्रमण के माध्यम और बिना लक्षण वाले संक्रमण जैसे महामारी के अनेक मानकों पर अब भी अनुसंधान किया जा रहा है।

अमित शाह की देशवासियों से अपील, मातृभाषा के साथ-साथ हिंदी का भी करें उपयोग

नेशनल डेस्क।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज देशवासियों का आह्वान किया कि वे अपनी मातृभाषा के साथ-साथ हिंदी का भी अधिक से अधिक प्रयोग कर उसके संरक्षरण और संवर्धन में योगदान देने का संकलप लें। शाह ने हिन्दी दिवस के मौके पर अपने वीडियो संदेश में देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मैं देशवासियों का आह्वान करता हूं कि अपनी मातृभाषा के साथ साथ हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग कर उनके संरक्षण व संवर्धन में अपना योगदान देने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि अनेक भाषाएं एवं संस्कृतियां हमारी न केवल विरासत हैं हमारी ताकत भी हैं, इसलिए हमें इनको आगे बढ़ाना है। शाह ने कहा कि सांस्कृतिक व भाषाई विविधता से भरे, इस गौरवशाली देश में-पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण के बीच, सदियों से, कई भाषाओं ने संपर्क बनाए रखने का काम किया है।

हिंदी इसमें प्रमुख भाषा रही है और ये योगदान जो हिंदी का है इसको देश के कई नेताओं ने समय-समय पर सराहा है और हिंदी ने भारत को एकता के सूत्र में पिरोने का काम किया है। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि हिंदी भाषा और बाकी सारी भारतीय भाषाओं ने मिलकर भारत की सांस्कृतिक विविधता को आगे ले जाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। हिंदी के साथ बृज, बुंदेलखंडी, अवधी, भोजपुरी, अन्य भाषाएं और बोलियां इसका उदाहरण हैं। हिंदी देश के स्वतंत्रता संग्राम के समय से राष्ट्रीय एकता और अस्मिता का प्रभावी व शक्तिशाली माध्यम रही है। हिंदी की सबसे बड़ी शक्ति इसकी वैज्ञानिकता, मौलिकता, सरलता, सुबोधता और स्वीकार्यता भी है।

भारत में कोरोना मरीजों की संख्या 48 लाख पार, वायरस से 79 हजार से ज्यादा लोगों की मौत

नेशनल डेस्क।

भारत में एक दिन में ष्टश1द्वस्र-19 के 92,071 नए मामले सामने आने के बाद सोमवार को संक्रमितों की कुल संख्या 48 लाख के पार पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इसके अनुसार 37.8 लाख से अधिक लोग ठीक हो चुके हैं, जिससे स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर सोमवार को 78 प्रतिशत हो गई। सुबह आठ बजे तक के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या अब 48,46,427 पहुंच गई है जबकि पिछले 24 घंटे में इस महामारी से 1,136 और लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 79,722 हो गई है। मंत्रालय के अनुसार, ष्टश1द्वस्र-19 से मृत्यु दर घटकर 1.64 प्रतिशत हो गई है। आंकड़े के अनुसार देश में अभी इस महामारी से पीड़ित 9,86,598 मरीजों का इलाज चल रहा है जबकि 37,80,107 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। देश के केवल 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय मामले कम हुए हैं जिनमें सबसे ज्यादा छत्तीसगढ़ में 1741 और उसके बाद तेलंगाना में 1075 मरीज कम हुए हैं। देश में सक्रिय मामले 20.36 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 78.00 प्रतिशत है, जबकि मृत्यु दर 1.64 फीसदी है। कोरोना महामारी से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और यह 10,578 बढ़कर 2,90,716 हो गई तथा 416 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 29,531 हो गया। इस दौरान 11,549 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 7,40,061 हो गई। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 661 कम होने से सक्रिय मामले 95,072 रह गए। राज्य में अब तक 4912 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 4,67,139 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं।

दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 1388 की वृद्धि हुई है और राज्य में अब 99,222 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 7265 पर पहुंच गया है तथा अब तक 3,52,958 लोग स्वस्थ हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी इस दौरान 167 मरीजों की वृद्धि हुई है जिससे सक्रिय मामले 68,122 हो गए हैं तथा इस महामारी से 4429 लोगों की मौत हुई है जबकि 2,39,485 मरीज ठीक हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 47012 हो गयी है तथा 8381 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 4,47,366 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। तेलंगाना में कोरोना के 30,532 सक्रिय मामले हैं और 974 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 1,27,007 लोग इस महामारी से ठीक हुए है। ओडिशा में सक्रिय मामले 31,539 हो गए हैं और 626 लोगों की मौत हुई है जबकि रोगमुक्त लोगों की संख्या 1,18,642 हो गई है। केरल में सक्रिय मामले 30,140 हो गए तथा 439 लोगों की मौत हुई है जबकि स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 77,699 हो गई है। राजधानी दिल्ली में इस दौरान सक्रिय मामले 753 बढ़ने से यह संख्या 28,812 हो गई है।

कंगना रनौत पर संजय राउत का पलटवार, कहा- हम बहुत छोटे लोग है

मुंबई। बीते कुछ दिनों से बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत और शिवसेना सांसद संजय राउत के बीच कई मुद्दों को लेकर वार-पलटवार होता रहा है। इसी को लेकर संजय राउत ने एक बार फिर कंगना रनौत पर बयान दिया है। कंगना के ट्वीट पर शिवसेना के सांसद संजय राउत ने पलटवार करते हुए कहा कि हम बहुत छोटे लोग हैं। इतने बड़े महान ० यक्ति कुछ कह रहे हैं तो इसपर बात करना ठीक नहीं हैं। जिसके पीछे प्रधानमंत्री कार्यालय, देश की सरकार खड़ी है, मुझे लगता है इसपर बात करना ठीक नहीं है। केंद्र सरकार जवाब देगी। महाराष्ट्र सीएम उद्धव ठाकरे के बयान कि मेरी खामोशी को मेरी मजबूरी न समझें। इसी के साथ संजय राउत ने कहा कि समझने वालों को इशारा काफी है। इससे पहले अभिनेत्री कंगना रनौत ने सोमवार को कहा कि वह भारी मन से मुंबई छोड़ रही हैं, लेकिन जिस तरह से उन्हें भयभीत किया गया, अपशब्द कहे गए और उनका घर तोडने की कोशिशें हुईं, उसे देखते हुए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से तुलना करना बिल्कुल सही था। रनौत ने मुंबई की तुलना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से की थी। इसके बाद उनका महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना के साथ विवाद हो गया था। वह पिछले हफ्ते अपने गृह राज्य में हिमाचल प्रदेश से मुंबई लौटी थीं और उसी दिन शिवसेना के शासन वाली बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने उनके दफ्तर में अवैध निर्माण को गिराया था। इसके बाद उन्होंने बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया था, जिसने तोडफ़ोड़ की कार्रवाई पर रोक लगाई थी। रनौत ने ट्वीट किया, भारी मन से मुंबई छोड़ रही हूं। इन दिनों जिस तरह से मुझे डराया गया, लगातार हमले किए गए और मुझे अपशब्द कहे गए, मेरे दफ्तर के बाद मेरे घर को तोडने की कोशिशें हुईं और मेरे आसपास हथियारबंद सुरक्षा कर्मी रहे,उसे देखते हुए मैं कहूंगी कि पीओके से (शहर की) तुलना करना एकदम सही था।

संक्षिप्त समाचार

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, दिल्ली में रेलवे लाइन के किनारे बसीं झुग्गियां फिलहाल नहीं हटाएंगे

नेशनल डेस्क। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि दिल्ली में 140 किमी लंबी रेल लाइन के साथ स्थित झुग्गियों को सरकार द्वारा अंतिम निर्णय लिए जाने तक नहीं हटाया जाएगा। सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन की पीठ को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस बारे में रेलवे, दिल्ली सरकार और शहरी विकास मंत्रालय के परामर्श से फैसला किया जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मामले की सुनवाई के दौरान पीठ ने मेहता के इस आश्वासन को दर्ज किया कि इन झुग्गी बस्तियों के खिलाफ चार सप्ताह तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। शीर्ष अदालत ने 31 अगस्त को एक फैसले में दिल्ली में रेलवे लाइन के किनारे बनी 48,000 झुग्गियों को तीन महीने के अंदर हटाने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि इस आदेश पर अमल में किसी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं हो। कोर्ट दिल्ली में रेलवे लाइन के किनारे बनी इन झुग्गियों को हटाने से पहले उनके पुनर्वास की व्यवस्था कराने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन के आवेदन पर सुनवाई कर रहा था।

जम्मू कश्मीर में कामयाबी से संपन्न हुई जिला स्तर की अंतर-स्कूल खेल टूर्नामेंट

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में आयोजित अंतर स्कूल खेल प्रतियोगिताएं संपन्न हो गई। इनमें 19 स्कूलों के 304 खिलाड़ियों ने भाग लिया। फाइनल मैच एचएसएस मटटन और हायर सेंकेंडरी स्कूल सैला के बीच में खेला गया। सैला स्कूल ने टास जीता और बैटिंग की। उसने 150 रनों का स्कोर खड़ा किया। जोकि 20 ओवरों में नौ विकेटों को गवां कर बनाया गया। स्कूल के शारिक ने76 रन बनाए और उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। जवाब में मटटन के स्कूल 103 रनों पर सारी विकेट गवां बैठा। फाइनल मैच अनंतनाग के स्पोर्ट स्टेडियम नैनिल में खेला गया। इस मौके पर डीसी के के सिददा मुख्य अतिथि थे। जबकि एडीसी गुलाम हसन विशेष अतिथि। उन्होंने खिलाड़ियों में क्रिकेट किट भी बांटे। टूर्नामेंट अनंतनाग के खेल विभाग ने आयोजित किया था।

भारत के खिलाफ चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का आक्रामक कदम रहा विफल : रिपोर्ट

वाशिंगटन। अमेरिका की एक प्रमुख पत्रिका ने भारत के खिलाफ चीनी सेना के आक्रामक कदमों के पीछे राष्ट्रपति शी जिनपिंग को जिम्मेदार ठहराया है। भारत-चीन सीमा लेह लद्दाख में पर चीन द्वारा की गई घुसपैठ की साजिशों को पूरी तरह नाकाम बताते हुए पत्रिका न्यूजवीक ने अपनी रिपोर्ट में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भारत में चीनी सेना द्वारा हाई प्रोफाइल घुसपैठ का 'शिल्पकार' बताया है। पत्रिका में यह भी कहा गया है कि चीनी राष्ट्रपति ने भारत में क्क की घुसपैठ की योजना को ग्रीन सिग्नल देकर अपने भविष्य को खतरे में डाल दिया है। पत्रिका ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि चीनी राष्ट्रपति ने भारतीय सीमा क्षेत्र में घुसपैठ का प्रयास करके अपने भविष्य को जोखिम में डाल दिया है क्योंकि यह भारतीय सेना की कड़ी जवाबी कार्रवाई के बाद अप्रत्याशित रूप से विफल रहा। न्यूजवीक ने एक अपने एक लेख में कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी में सुधार आंदोलन और दुश्मनों के उत्पीड़न में पहले से ही उलझे शी भारतीय सीमा पर चीन की नाकामी के बाद कोई अन्य क्रूर कदम उठाएंगे। न्यूजवीक ने कहा, यह शी के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है, भारत के खिलाफ आक्रामकता वाले कदमों के वही कर्ताधर्ता हैं और उनकी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) अप्रत्याशित रूप से नाकाम साबित हुई है। भारतीय सीमा पर चीनी सेना की विफलताओं के अपने परिणाम होंगे। पत्रिका ने चेताया कि सबसे अहम बात यह है कि विफलता के कारण चीन के शासक शी चिनफिंग भारत के खिलाफ कोई अन्य आक्रामक कदम उठाने को प्रोत्साहित हो सकते हैं जोकि अपनी पार्टी की केंद्रीय सैन्य आयोग के अध्यक्ष भी हैं और पीएलए के भी प्रमुख हैं। चीन के सैनिकों द्वारा लगातार की जा रही घुसपैठ की साजिशों को लेकर अमेरिकी पत्रिका द वीक के स्तंभकार गॉर्डन जी चांग ने कहा कि इंडियन आर्मी ने चीनी सेना को जोरदार शिकस्त दी है और अब भारत को शी जिनपिंग के अगले कदम पर नजर रखने की जरूरत है। चीनी सेना की ये साजिश बुरी तरह से फेल रही है, क्योंकि भारत की सेना ने अप्रत्याशित रूप से चीनी सेना को भयानक जवाब दिया और चीन की ये कोशिश पस्त हो गई।

जम्मू के नेताओं को हिजबुल की धमकी - राजनीति छोड़ो या नतीजा भुगतो

जम्मू। आतंकवादी संगठनों ने कश्मीर घाटी के बाद अब जम्मू संभाग के नेताओं को भी निशाना बनाकर उन्हें राजनीति से तौबा करने के लिए धमकाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी घोषित सैयद सलाहुदीन के नेतृत्व वाले आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन ने पत्र भेजकर केंद्रीय मंत्री डा. जितेंद्र सिंह समेत जम्मू के 17 नेताओं को राजनीति छोडने अथवा परिणाम भुगतने की धमकी दी है। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री रमन भल्ला के नाम उर्दू में लिखा यह धमकीभरा पत्र कांग्रेस मुख्यालय में पहुंचा। इस संबंध में पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 121-ए, 506 और गैर-कानूनी गतिविधि (निरोधक) अधिनियम की धारा 13, 16 व 18 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जम्मू के एस.एस.पी. श्रीधर पाटिल ने इसकी पुष्टि की। डाक से जम्मू स्थित कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे हिजबुल मुजाहिदीन के लैटरपैड पर लिखे दो पन्ने के इस पत्र में जम्मू-कश्मीर कांग्रेस उपाध्यक्ष रमन भल्ला समेत मुख्यधारा की पार्टियों के 17 नेताओं के नाम हैं। इनमें केंद्रीय मंत्री डा. जितेंद्र सिंह, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. निर्मल सिंह, भाजपा के जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष रविंद्र रैना, महासचिव सुनील शर्मा, संगठन महासचिव अशोक कौल, प्रवक्ता रिटायर्ड ब्रिगेडियर अनिल गुप्ता, पूर्व मंत्री शक्तिराज परिहार, पूर्व एम.एल.सी. विबोध गुप्ता, नैशनल पैंथर्स पार्टी के चेयरमैन हर्षदेव सिंह, डोगरा स्वाभिमान संगठन के अध्यक्ष चौधरी लाल सिंह, नैशनल कांफ्रैंस के जम्मू संभाग अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राणा, कांग्रेस के पूर्व मंत्री जुगलकिशोर शर्मा एवं डॉ मनोहर लाल शर्मा, पूर्व एम.एल.सी. नरेश गुप्ता, नैशनल कांफ्रैंस के पूर्व मंत्री सुरजीत सिंह सलाथिया और विभिन्न पार्टियों के कई पूर्व मंत्री एवं विधायक शामिल हैं। पत्र में धमकी दी गई है कि वह इन नेताओं को चेतावनी देते हैं कि वे लोग राजनीति छोडकर उन (आतंकी संगठन) के आजादी के आंदोलन का समर्थन करें, अन्यथा उनके डैथ वारंट जारी हो जाएंगे। कोई सिक्योरिटी कवर भी उनकी रक्षा नहीं कर पाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत समेत 53 देशों में लागू हुई सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता संधि

इंटरनेशनल डेस्क।

संयुक्त राष्ट्र की सिंगापुर कन्वेंशन ऑन मिडिएशन के नाम से जानी जाने वाली सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता संधि शनिवार से लागू हो गई । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विवादों को आसानी से हल करने में मददगार यह संधि भारत और अन्य देशों में आपसी व्यावसायिक और बड़े कॉरपोरेट विवादों को निपटाने में मध्यस्थता का प्रभावी तरीका प्रदान करती है । इसके लागू होने से भारत की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देगा। इस संधि पर एक सितंबर, 2020 तक भारत, अमेरिका, चीन और दक्षिण कोरिया समेत करीब 53 देश इस संधि पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। सिंगापुर, फिजी, कतर, सउदी अरब और बेलारूस ने भी इसमें शामिल हो गए हैं। इक्वाडोर ने भी हाल ही में इसका समर्थन किया है। इससे भारत और दुनियाभर के व्यापारियों में सीमा पार व्यापारिक विवादों को हल करने में प्रभावी मध्यस्थता के माध्यम से अब अधिक निश्चितता होगी। बता दें कि सिंगापुर के नाम पर होने वाली यह संयुक्त राष्ट्र की पहली संधि भी है। सिंगापुर के कानून मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि विवादों के निपटाने के लिए प्रत्येक देश की एक घरेलू और खर्चीली प्रक्रिया होती है। इनसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई महत्वपूर्ण व्यावसायिक मुद्दे लंबे समय तक विवादों में उलझे रहते हैं। कन्वेंशन के लागू होने के साथ, सीमा पार व्यवसाय से जुड़े विवादों के समाधान के लिए सदस्य देशों द्वारा सीधे आवेदन किए जा सकेंगे। संधि के तहत सामंजस्य आधारित और सरल एवं प्रभावी ढांचे से विवाद समाधान में समय और कानूनी लागत की बचत भी होगी, जो कोविड-19 महामारी के दौरान अनिश्चितता के समय में व्यवसायों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

जापान में योशिहिदे चुने गए सत्तारुढ़ दल के नए नेता , प्रधानमंत्री बनने का रास्ता लगभग साफ

टोक्यो।

योशिहिदे सुगा को सोमवार को जापान की सत्तारूढ़ पार्टी का नया नेता चुना गया और इस तरह उनके अब प्रधानमंत्री बनने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। सत्तारूढ़ पार्टी प्रधानमंत्री शिंजो आबे के उत्तराधिकारी को चुनने के लिए हुए आंतरिक मतदान में सुगा को सत्तारूढ़ लिबरल डेमाक्रेटिक पार्टी में 377 प्राप्त हुए जबकि अन्य दो दावेदारों को 157 वोट हासिल हुए। आबे ने पिछले महीने स्वास्थ्य कारणों के कारण अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। वर्तमान में मुख्य कैबिनेट सचिव और आबे के करीबी माने जाने वाले सुगा की जीत तय मानी जा रही थी क्योंकि लिबरल डेमोक्रेटस का सत्तारूढ़ गठबंधन में बहुमत है। मीडिया की खबरों के अनुसार सोमवार को स्थानीय प्रतिनिधियों की शुरुआती मतगणना से संकेत मिले हैं कि सुगा के पास दो अन्य दावेदारों पूर्व रक्षा मंत्री शिगेरू इशिबा और पूर्व विदेश मंत्री फूमियो किशिदा पर भारी बढ़त थी। सुगा ने कहा है कि उनकी शीर्ष प्राथमिकताएं कोरोना वायरस से लड़ाई लड़ना और इस महामारी से प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना है। उनका कहना है कि वह एक सुधारवादी हैं और उन्होंने नौकरशाही की क्षेत्रीय बाधाओं को तोड़ कर नीतियां हासिल करने का काम किया है। उनकी शीर्ष प्राथमिकताएं कोरोना वायरस से लड़ाई लड़ना और इस महामारी से प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था को पटरी

पर लाना है। उनका कहना है कि वह एक सुधारवादी हैं और उन्होंने नौकरशाही की क्षेत्रीय बाधाओं को तोड़ कर नीतियां हासिल करने का काम किया है।

अमेरिकी अखबार का बड़ा खुलासा, गलवान में 30-35 नहीं बल्कि मारे गए थे 60 चीनी सैनिक

इंटरनेशनल डेस्क।

अमेरिका के अखबार न्यूजवीक ने जून में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच गलवान में हुई झड़प को लेकर बड़ा खुलासा किया है। अखबार के मुताबिक, गलवान में 14/15 जून की रात को हुई हिंसक झड़प में 30-35 नहीं बल्कि 60 चीनी सैनिकों की मौत हुई थी। न्यूजवीक ने एक और सनसनीखेज दावा करते हुए कहा है कि गलवान में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इशारे पर हिंसा हुई थी, लकिन ड्रैगन की आर्मी अपने मकसद को पाने में बुरी तरह नाकाम रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गलवान में मिली बड़ी चोट के बाद राष्ट्रपति जिनपिंग बुरी तरह बौखला गए थे। न्यूजवीक ने अपनी रिपोर्ट में भारत को चेतावनी देते हुए कहा है कि उसे चीन से सावधान रहने की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्रैगन अपनी हार से बुरी तरह चिढ़ा हुआ है और बदला लेने के लिए योजना बना रहा है। गलवान में हुई अपनी हार से बौखलाए शी जिनपिंग अब नए सिरे से रणनीति बनाने में जुट गए हैं और आने वाले दिनों में वह फौज में बड़े बदलाव कर सकते हैं। माना जा रहा है कि चीनी राष्ट्रपति भारत के खिलाफ बड़े कदम उठा सकते हैं इसलिए आने वाले दिनों में बॉर्डर पर तनाव बढ़ सकता है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2012 में शी जिनपिंग के चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का महासचिव बनने के बाद से भारत से लगी सीमा पर चीनी सैनिक कहीं ज्यादा आक्रामक हो गए हैं। बता दें कि भारत और चीन में अभी तक सीमा निर्धारण नहीं हो पाया है और ड्रैगन के सैनिक इस बात का काफी फायदा उठाते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि रूस ने भारत को मई में ही चीन की हरकतों के बारे में बता दिया था, जब वह तिब्बत के इलाके में युद्धाभ्यास कर रहा था।

ग्लोबल टाइम्स की भारत को धमकी,कहा- मोदी दोहरा रहे नेहरू की गलती, क्या भूल गए 1962 की जंग?

बीजिंग।

लद्दाख सीमा विवाद के चलते भारत की सख्ती से चीन बौखलाया हुआ है। इस बीच चीन इस बीच चीन ने भारत के खिलाफ नया बयान जारी किया है । जानकारी के अनुसार सीमा पर चल रहे तनाव के बीच चिंग भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच 5 सूत्री सहमति होने के बाद भी चीन का सरकारी प्रचार मीडिया भारत को धमकाने और मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने में जुटा हुआ है। चीन के सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने चीनी विश लेषक झांग शेंग के हवाले से दावा किया कि भारत पंडित जवाहर लाल नेहरू की गलती दोहरा रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उसने कहा कि भारत का वर्तमान प्रशासन सीमा पर आक्रामक व्यवहार दिखा रहा है।

झांग ने कहा कि वर्तमान स्थिति वर्ष 1962 की तरह से ही है। उन् होंने आरोप लगाया कि भारत अपने हितों के लिए अंतर्रा ट्रीय समुदाय की मदद से चीन पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। वर्ष 1962 में चीन सबसे अलग थलग था। उस समय चीन अमेरिका से मुकाबला कर रहा था और उस समय रूस से भी चीन अलग राह पर चल रहा था जबकि भारत उस समय गुटनि रपेक्ष आंदोलन का अगुवा था। ग लोबल टाइम् स ने चीनी विश लेषक के हवाले से लिखा कि वर्ष 1962 में भारत ने अंतर्रा ट्रीय माहौल का फायदा उठाने की कोशिश की थी। इसका परिणाम यह हुआ कि भारत ने तीसरी दुनिया के देशों के नेता पदवी भी खो दी। झांग ने कहा कि भारत की मोदी सरकार भी नेहरू की रणनीति पर काम कर रही और चीन-अमेरिका तनाव का फायदा उठाना चाहती है। उन्होंने कहा कि भारत के रक्षा मंत्री अतिआत मविश वास दिखा रहे हैं। एक अन् य चीनी विश लेषक कियांग फेंग ने कहा कि जयशंकर और वांग यी से मुलाकात के बाद अब गेंद भारत के पाले में है। उन्होंने कहा कि अब यह देखना है कि भारत कैसे 5-सूत्री सहमति को लागू करता है।

संक्षिप्त समाचार

चीनी रक्षा मंत्रालय ने अमेरिका को विश्व शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया

बीजिंग। चीन के रक्षा मंत्रालय ने अमेरिका को वैश्विक व्यवस्था और विश्व शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। चीन की यह टिप्पणी उसकी सैन्य महत्वाकांक्षा को लेकर आई अमेरिकी रिपोर्ट के जवाब में आई है। चीनी सैन्य घटनाक्रम एवं लक्ष्यों पर अमेरिकी रक्षा मंत्रालय की ओर से अमेरिकी कांग्रेस को वार्षिक तौर पर दी जाने वाली रिपोर्ट दो सितंबर को जारी गई थी। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी सेना के लक्ष्यों से अमेरिका के राष्ट्रीय हितों और अंतरराष्ट्रीय नियमों पर आधारित व्यवस्था की सुरक्षा के लिए गंभीर निहितार्थ होंगे। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू क्यान ने रविवार को कहा कि यह रिपोर्ट चीन के लक्ष्यों तथा और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी और चीन के 1.4 अरब लोगों के बीच संबंधों को तोड़ती-मरोड़ती है। उन्होंने कहा, बीते कई सालों में ऐसे सबूत आए हैं जो दिखाते हैं कि क्षेत्रीय अशांति भड़काने वाला, अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को तोड़ने वाला और विश्व शांति को बर्बाद करने वाला अमेरिका है। प्रवक्ता ने कहा कि बीते दो दशक में इराक, सीरिया, लीबिया और अन्य देशों में अमेरिका की कार्रवाइयों की वजह से आठ लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, अपने आप को देखने के बजाय, अमेरिका ने एक रिपोर्ट जारी की जो चीन के सामान्य रक्षा और सैन्य ढ़ाचे पर झूठी टिप्पणी करती है। क्यान ने बयान में कहा, हम अमेरिका से आग्रह करते हैं कि वह चीन के रक्षा और सैन्य ढ़ांचे को निष्पक्षता और तर्कसंगत ढंग से देखे तथा झूठे और संबंधित रिपोर्टें जारी करने से बचे और द्विपक्षीय सैन्य संबंधों के स्वस्थ विकास की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए। डेढ सौ से ज्यादा पन्नों की रिपोर्ट में रक्षा मंत्रालय ने पीएलए (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) की तकनीकी क्षमता, सिद्धांतों और लक्ष्यों का परीक्षण किया है।

अमेरिका: अश्वेत व्यक्ति को पीटने के आरोप में जॉर्जिया का उप शेरिफ बर्खास्त

न्यूयार्क। अमेरिका के जॉर्जिया के उप शेरिफ को रेड लाइट पर अश्वेत व्यक्ति को पीटने का वीडियो वायरल होने के बाद बर्खास्त कर दिया गया है। क्लेटन काउंटी के शेरिफ कार्यालय ने बयान में बताया कि उप शेरिफ को अत्यधिक बल के इस्तेमाल के लिए बर्खास्त किया गया है। बयान में अधिकारी की पहचान नहीं बताई गई है, लेकिन कहा गया है कि जिला अटॉर्नी कार्यालय ने आपराधिक जांच शुरू कर दी है। रोडरिक वॉकर (26) के अटॉर्नी शॉन विलियम्स ने रविवार को बताया कि वॉकर अपनी प्रेमिका, पांच वर्षीय बच्चे और सौतेले बेटे के साथ गाड़ी में जा रहा था। शुक्रवार को उप शेरिफों ने कथित रूप से पीछे की लाइट टूटने होने की वजह से उसे रोका। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया तथा पीटा गया। विलियम्स ने दावा किया कि वॉकर गाड़ी नहीं चला रहा था, बावजूद उसे कार से उतरने को कहा गया। एक राहगीर ने इस घटना का वीडियो बना लिया, जिसमें दिख रहा है कि दो उप शेरिफ वॉकर के ऊपर चढ़ गए हैं जिनमें से एक उसे घूंसे मार रहा है। जेल रिकॉर्ड से पता चलता है कि उसे पुलिस के काम में रुकावट डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। शेरिफ कार्यालय ने एक बयान में बताया कि एक अदालत ने वॉकर को जमानत देने से मना कर दिया है, क्योंकि उसके खिलाफ पहले से ही कोई वारंट जारी है।

इंडोनेशिया में भूकंप के तेज झटके

जकार्ता। इंडोनेशिया में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.0 मापी गई। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के अनुसार रविवार को स्थानीय समय के अनुसार 18:28:52 बजे महसूस किए गए भूकंप का केंद्र घरती की सतह से :131.31 की गहरायी में 4.2268 डिग्री उत्तरी अक्षांश तथा 96.7017 पूर्वी देशांतर में था।

भारत के खिलाफ चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का आक्रामक कदम रहा विफल : रिपोर्ट

वाशिंगटन। अमेरिका की एक प्रमुख पत्रिका ने भारत के खिलाफ चीनी सेना के आक्रामक कदमों के पीछे राष्ट्रपति शी जिनपिंग को जिम्मेदार ठहराया है। भारत-चीन सीमा लेह लद्दाख में पर चीन द्वारा की गई घुसपैठ की साजिशों को पूरी तरह नाकाम बताते हुए पत्रिका न्यूजवीक ने अपनी रिपोर्ट में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भारत में चीनी सेना द्वारा हाई प्रोफाइल घुसपैठ का 'शिल्पकार' बताया है। पत्रिका में यह भी कहा गया है कि चीनी राष्ट्रपति ने भारत में की घुसपैठ की योजना को ग्रीन सिग्नल देकर अपने भविष्य को खतरे में डाल दिया है। पत्रिका ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि चीनी राष्ट्रपति ने भारतीय सीमा क्षेत्र में घुसपैठ का प्रयास करके अपने भविष्य को जोखिम में डाल दिया है क्योंकि यह भारतीय सेना की कड़ी जवाबी कार्रवाई के बाद अप्रत्याशित रूप से विफल रहा। न्यूजवीक ने एक अपने एक लेख में कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी में सुधार आंदोलन भारत के खिलाफ आक्रामकता वाले कदमों के वही कर्ताधर्ता हैं और उनकी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) अप्रत्याशित रूप से नाकाम साबित हुई है। भारतीय सीमा पर चीनी सेना की विफलताओं के अपने परिणाम होंगे।

अमेरिका के जंगल में आग से अब तक 35 लोगों की मौत

लॉस एंजलिस। अमेरिका के दक्षिणी ओरेगन में भीषण आग लगने से कई लोगों के लापता होने की खबर के बीच अधिकारियों ने बताया कि सप्ताहांत तक जंगल में लगी आग के कारण कैलिफोर्निया से लेकर वाशिंगटन तक कम से कम 35 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने पिछले सप्ताह बताया था कि ऐशलैंड क्षेत्र में जंगल में लगी आग के कारण करीब 50 लोग लापता हो सकते हैं। लेकिन जैक्सन काउंटी के शेरिफ कार्यालय ने शनिवार की देर रात बताया कि आग से चार लोगों की मौत हो गई है और इसके साथ ही लापता लोगों की संख्या अब कम है। वहीं पिछले एक सप्ताह के भीतर ओरेगन में कम से कम 10 लोगों की मौत हुई है। अधिकारियों ने बताया कि कई लोग लापता हैं और अभी मृतक संख्या बढ़ सकती है।वहीं कैलिफोर्निया में 24 लोगों और वाशिंगटन में एक व्यक्ति की मौत हुई है। इन सभी तीन राज्यों के डेमोक्रेटिक गवर्नर ने जलवायु परिवर्तन को इस भीषण आग के लिए जिम्मेदार ठहराया है। वहीं कैलिफोर्निया में 24 लोगों और वाशिंगटन में एक व्यक्ति की मौत हुई है। इन सभी तीन राज्यों के डेमोक्रेटिक गवर्नर ने जलवायु परिवर्तन को इस भीषण आग के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

पाकिस्तान में विदेशी महिला से गैंग रेप के मुख्य आरोपी की हुई पहचान, फांसी की सजा के लिए प्रदर्शन तेज

पेशावर।

पाकिस्तान में एक विदेशी महिला के साथ गैंग रेप मामले में मुख्य आरोपी की पहचान कर ली गई है। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री के विशेष सहायक शाहबाज गिल ने कहा कि लाहौर पुलिस ने इस घटना के संदिग्ध के डीएनए का मिलान कर लिया है और शीघ्र ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। संदिग्ध की पहचान 27 साल के आबिद अली के रूप में हुई है। वह लाहौर से 400 किलोमीटर दूर बहावलनगर का रहने वाला है। उसे और उसके साथी की गिरफ्तारी के लिए टीमें भेजी गई हैं। आरोपी आबिद पहले भी अपने निवास पर 2013 में एक महिला एवं उसकी बेटी के सामूहिक बलात्कार में भी शामिल था। उसे पकड़ा गया था लेकिन प्रभावित परिवार ने दबाव में उसे माफ कर दिया और वह जेल से रिहा हो गया था। पुलिस अब उसकी पूरा कच्चा चिट्ठा खंगालने में जुट गई है। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस की कई टीमें सक्रिय हैं। घटना पाकिस्तान के लाहौर के पास की बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फ्रांस की रहने वाली एक महिला गुरुवार सुबह अपने दो बच्चों के साथ लाहौर से गुजरांवाला की तरफ जा रही थी। इस दौरान उसकी कार अचानक बंद पड़ गई। अंधेरी रात में महिला ने कार में बैठकर मदद आने तक इंतजार करने का फैसला किया। महिला ने अपनी रिपोर्ट में पुलिस को बताया कि इस दौरान कुछ लोग आए और उन्होंने कार की खिड़की को तोड़कर उसे बाहर खींच लिया। इसके बाद इन लोगों ने पास के एक खेत में पीड़िता के बच्चों के सामने ही गैंगरेप किया। हमलावर अपने साथ पीड़िता के गहने, नकदी और 3 एटीएम कार्ड भी साथ लेकर चले गए।

पाकिस्तान सरकार पर आरोपियों को फांसी दिए जाने का भी दबाव बढ़ता जा रहा है। पाकिस्तान के धार्मिक दल अपराधियों को सरेआम फांसी देने की मांग कर रहे हैं। लाहौर, इस्लामाबाद और देश के अन्य हिस्सों में कई प्रदर्शन हुए और प्रदर्शनारियों ने मांग की है कि सरकार गुनहगारों को गिरफ्तार करके असाधारण सजा दे।

कोरोना से इसराईल में हाहाकार, दुनिया में पहली बार दोबारा लगाया देशव्यापी लॉकडाऊन

येरूसलम।

इसराईल में कोरोना वायरस के प्रकोप से हाहाकार मचा हुआ है। देश के बिगड़ते हालात देखकर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पूरे देश में दूसरी बार लॉकडाउन लगा दिया है। धानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों की वजह से ये फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल तीन सप्ताह के लिए लॉकडाउन की घोषणा की है, जिसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इसराईल दुनिया का पहला ऐसा देश बन गया है, जिसने दूसरी बार देशव्यापी लॉकडाउन लगाया है। इसराईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, मुझे भारी मन से लॉकडाउन लगाने का फैसला लेना पड़ा। ये वो छुट्टियां नहीं हैं, जिसमें लोग अपनी मर्जी से मस्ती कर सकें, ये सबको बचाने की लड़ाई है।लोग अपने घरों में, अपने परिवार के साथ रहें।उन्होंने कहा कि अगर हम नियमों को मानेंगे तो जरूर कोरोना पर विजय हासिल कर सकेंगे। इसराईल के मंत्री ने कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण यहूदी नववर्ष के पहले इस सप्ताह राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के विरोध में इस्तीफा दे दिया। देश में महामारी की शुरूआत के दौरान स्वास्थ्य मंत्री रहे और अब आवास मंत्री याकोव लित्जमैन ने अपेक्षित लॉकडाउन उपाय की अत्यधिक आलोचना की और कहा कि इससे लोगों को बहुत परेशानी होगी। उन्होंने कहा कि मेरा दिल उन हज़ारों यहूदियों के साथ है जो साल में एक बार उपासनागृह पर आते हैं और लॉकडाउन के कारण इस बार ऐसा नहीं हो सकेगा। बता दें कि इसराईल ने शुरुआत में लॉकडाउन की वजह से कोरोना को काफी हद तक नियंत्रण में रखा था, लेकिन धीरे धीरे हालात खराब होते गए। इसके बाद नेतन्याहू के खिलाफ लगातार प्रदर्शन हुए और हजारों लोगों की भीड़ सड़कों पर उतरती रही यही वजह है कि हालात बद से बदतर होते गए। इसराईल ने शुरुआत में लॉकडाउन की वजह से कोरोना को काफी हद तक नियंत्रण में रखा था, लेकिन धीरे धीरे हालात खराब होते गए। इसके बाद नेतन्याहू के खिलाफ लगातार प्रदर्शन हुए और हजारों लोगों की भीड़ सड़कों पर उतरती रही यही वजह है कि हालात बद से बदतर होते गए।

कोरोना जंग को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने की पाकिस्तान की तारीफ, कहा- दुनिया इनसे ले सीख

इस्लामाबाद। कोरोना वायरस को लेकर जहां सारी दुनिया के बड़े-बड़े देश परेशान हैं वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस मामले में कंगाल पाकिस्तान की तारीफ कर हैरान कर दिया है । के चीफ ट्रेडोस एडनहोम ने अपनी प्रेस ब्रीफिंग में पाकिस्तान सरकार के काम की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह उन देशों में से एक है जिनसे दुनिया को सीखने की जरूरत है। एडनहोम ने कोरोना वायरस के खिलाफ पाकिस्तान सरकार की रणनीति का समर्थन भी किया। चीफ ने कहा कि पाकिस्तान ने कोरोना वायरस के रोकथाम के लिए पिछले कई साल में पोलियो के लिए बनाए गए बुनियादी ढांचे का सहारा लिया है। प्रमुख ने देश के सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भी प्रशंसा की। इन कार्यकर्ताओं को पोलियो के लिए घर-घर जाकर बच्चों का टीकाकरण करने का प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अपने पोलियो कार्यकर्ताओं का इस्तेमाल निगरानी, कंटेक्ट ट्रेसिंग और देखभाल के लिए किया। इस कारण देश में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी से गिरावट देखने को मिली। उन्होंने कहा कि इसके अलावा थाईलैंड, कंबोडिया, जापान, न्यूजीलैंड, कोरिया गणराज्य, रवांडा, सेनेगल, इटली, स्पेन और वियतनाम ने भी कोरोना वायरस के खिलाफ अच्छा काम किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम इमरान खान के स्वास्थ्य मामलों के पूर्व विशेष सहायक डॉ जफर मिर्जा ने कहा कि इससे पाकिस्तान के प्रयासों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। मिर्जा ने एक ट्वीट में कहा कि पाकिस्तान को के महानिदेशक ने सात देशों में शामिल किया है।

अफगानिस्तान-तालिबान शांति वार्ता से तिलमिला रहा चीन, उइगरों को लेकर सता रही चिंता

बीजिंग।

दशकों लंबे संघर्ष के बाद अफगानिस्तान-तालिबान की शांति वार्ता शुरू होने से चीन की टेंशन बढ़ गई है। चीन को अपने सीपीईसी प्रोजक्ट के भविष्य को लेकर चिंता सताने लगी है। चीन को डर है कि बलूचिस्तान के विद्रोही तालिबान से हथियार लेकर चीन-पाकिस्तान इकनॉमिक प्रोजक्ट में अड़चनें डालेंगे। चीन इस बात से भी घबराया हुआ है कि अगर अफगानिस्तान में तालिबान सत्ता में आ जाता है तो शिनजियांग प्रांत में उइगुर मुसलमान विद्रोह कर सकते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शिनजियांग प्रांत की सुरक्षा सीधे तौर पर पेइचिंग के मार्च ईस्ट स्ट्रेटजी से जुड़ी हुई है। इसमें चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मध्य एशिया के देशों में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की भी अहम भूमिका है। अपने इस प्रोजक्ट को बचाने के लिए चीन हर हालत में उइगुरों पर नियंत्रण पाना चाहता है। रिपोर्ट में यह भी लिखा गया है कि चीन जहां इस्लामिक आतंकवाद पर काबू पाना चाहता है, वहीं उसका सहयोगी पाकिस्तान अपने कई पड़ोसी देशों में आतंवादी गुटों को सहायता दे रहा है। इसलिए चीन जरूर चाहेगा कि पाकिस्तान की मदद से वह इस क्षेत्र में जारी इस्लामिक आतंकवाद पर लगाम लगाए। इससे उसकी अरबों डॉलर की परियोजनाओं पर से खतरा खत्म हो जाएगा। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि तालिबान के साथ चीना का पुराना संबंध है। जब 1990 के दशक में अफगानिस्तान में तालिबान सत्ता में था तब चीन ने सीधे संचार चैनल स्थापित किए थे। यह बात है कि आजतक कभी भी तालिबान को चीन का विरोध करते नहीं देखा गया है। फिर भी चीन की तालिबान पर सीधी पकड़ नहीं है। वह अपने दोस्त पाकिस्तान की मदद से ही तालिबान के साथ कोई डील कर सकता है। तालिबान का इतिहास तालिबान का जन्म 90 के दशक में उत्तरी पाकिस्तान में हुआ। इस समय अफगानिस्तान से तत्कालीन सोवियत संघ (रूस) की सेना हारकर अपने देश वापस जा रही थी। पश्तूनों के नेतृत्व में उभरा तालिबान अफगानिस्तान में 1994 में पहली बार सामने आया। माना जाता है कि तालिबान सबसे पहले धार्मिक आयोजनों या मदरसों के जरिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई जिसमें इस्तेमाल होने वाला ज़्यादातर पैसा सऊदी अरब से आता था। 80 के दशक के अंत में सोवियत संघ के अफगानिस्तान से जाने के बाद वहां कई गुटों में आपसी संघर्ष शुरु हो गया था ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अपहरण कर चरवाहे की हत्या, पांच गिरफ्तार

चित्रकूट (एजेंसी)। जिले के मानिकपुर थाना क्षेत्र के हनुआ गांव में जंगल बकरी चराने गए एक चरवाहे की अपहरण बाद हत्या कर दी गयी।

इस मामले में पुलिस रविवार को पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चित्रकूट के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अंकित मित्तल ने सोमवार को बताया कि जंगल में बकरी चराने गए हनुआ गांव के मजरा बजहापुरवा के युवक राजू उर्फ साधू यादव (22) की अपहरण करने के बाद हत्याकर शव रेल पटरी में फेंके जाने के मामले में मानिकपुर पुलिस ने रविवार को राजापुर मोड़ के पॉवर हाउस के पास से वारदात में शामिल दुलुआ, सुरेश यादव, कल्लू, लहूरा और घनश्याम आरख को गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों ने पुलिस की पूछताछ में बकरा चोरी के खुलासे के डर से घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है।

एसपी ने बताया कि बीती एक सितंबर को जंगल बकरी चराने गए राजू यादव का अज्ञात बदमाशों ने अपहरण कर लिया था और छह सितंबर को उसका शव डढ़वा पुरवा के पास रेल पटरी पर पाया गया।

उसकी हत्या धारदार हथियार से हमलाकर की गई थी।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना के वक्त राजू यादव जंगल में अपनी बकरियां चराने गया था, जहां से वापस नहीं लौटा।

दूसरे दिन जंगल में उसके फटे कपड़े और उसी का एक मृत बकरा मिला था।

तभी से पुलिस को सक्रिय कर दिया गया था,

लेकिन पुलिस उसे सकुशल बरामद नहीं कर पाई।

गिरफ्तार बदमाशों के हवाले से उन्होंने बताया कि पांच–छह सितंबर की रात राजू बदमाशों के चंगुल से भागने की कोशिश की थी।

इसी दौरान कुल्हाड़ी से हमला. कर उसकी हत्या कर दी गयी और शव रेल पटरी पर फेंका गया था।

विभिन्न मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्षन करने उतरे युवा सपाई, सौंपा ज्ञापन

लखनऊ (एजेंसी)। केंद्र और राज्य सरकार की गलत नीतियों के विरूद्ध एवं प्रदेश स्तर पर बेहाल किसान, महंगी शिक्षा, बेरोजगारी, निजीकरण, भ्रष्टाचार और आरक्षण पर वार के विरोध में सोमवार को समाजवादी पार्टी के युवा संगठनों ने सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्षन किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन के माध्यम से सौपे। विरोध प्रदर्षन के दौरान प्रदेष के कई स्थानों पर सपा कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प भी हुई। ज्ञापन में कहा गया है कि शिक्षा का बाजारीकरण, भ्रष्टाचार और बीएड प्रवेश में अनुसूचित जाति व जनजाति के छात्रों को मिलने वाले निःशुल्क प्रवेश पर रोक लगाए जाने से प्रदेश के छात्रों, नौजवानों में सरकार के प्रति भारी आक्रोश है। दलितों, पिछड़ो व आदिवासियों और समाज के किसी भी कमजोर वर्ग के अधिकारों के खिलाफ किसी भी निर्णय का समाजवादी युवा संगठन पुरजोर विरोध करेगे। ज्ञापन में कहा गया है कि मंहगी शिक्षा से गरीब व मध्यम वर्ग के बच्चों का पढ़ना मुश्किल हो गया है। निजीकरण से रोजगार व आरक्षण छीना जा रहा है। प्रदेश में किसान बदहाल है, 10281 किसानो ने तंगहाली में आत्महत्या कर ली है। किसानों से किए वादे पूरे नही हुए। समय से खाद भी नही मिल रही है। राज्यपाल से मांग की गई है कि वह राज्य सरकार को निर्देशित करें कि मंहगी शिक्षा, बेरोजगारी, निजीकरण, भ्रष्टाचार व आरक्षण पर हो रहे वार पर तत्काल रोक लगाए अन्यथा समाजवादी नौजवान सड़क पर उतरकर आंदोलन व प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चैधरी ने बताया कि प्रदेश के सभी मंडलों एवं जनपदों में आज युवा शक्ति ने अपनी ताकत दिखाई। वाराणसी में शांतिपूर्ण ढंग से ज्ञापन देने जा रहे नौजवानों पर पुलिस ने लाठी. चार्ज कर अपनी बर्बरता प्रदर्शित की। हजारो नौजवानों ने आज सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, गाजियाबाद, हरदो. ई, कौशाम्बी, सहारनपुर, सोनभद्र, मुरादाबाद, इलाहाबाद, बहराइच, बलरामपुर, भदोही, बुलन्दशहर, चित्रकूट, देवरिया, फर्रूखाबाद, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, हापुड़, झांसी, कानपुर, मेरठ, मुजफ्फरनगर, संतकबीरनगर, शामली, सुल्तानपुर, वाराणसी, सिद्धार्थनगर, मैनपुरी, प्रतापगढ़, मथुरा, कन्नौज, एटा, बिजनौर, अमेठी, महोबा, चन्दौली, बा. राबंकी सहित प्रदेश के सभी जनपदों में सरकार के खिलाफ धरना दिया और जोरदार नारेबाजी के साथ ज्ञापन सौंपे।

मंदिर, श्मशान और जलाशय पर सभी जातियों का समान अधिकार–भागवत

लखनऊ (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत ने सामाजिक समरसता पर जोर देते हुए कहा है कि हर जाति में महान लोगों ने जन्म लिया है और मंदिर, श्मशान तथा जलाशयों पर सभी जातियों का बराबर का हक है।

बीते शनिवार को संघ के वि. भन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए सरसंघचालक लखनऊ पहुंचे थे। संघ के अवध प्रान्त सह प्रचार प्रमुख दिवाकर अवस्थी ने बताया कि संघ प्रमुख ने अवध प्रान्त के प्रवास के दूसरे दिन संघ पदाधिकारियों से कहा कि कोई भी ऐसी जाति नहीं है जिसमें श्रेष्ठ, महान तथा देशभक्त लोगों ने जन्म नहीं लिया हो। मंदिर, श्मशान और जलाशय पर सभी जातियों का समान अधिकार है। संघ प्रमुख ने कहा कि महापुरुष सिर्फ अपने श्रेष्ठ कार्यों की बदौलत ही महापुरुष हैं और उनको उसी दृष्टि से देखे जाने का भाव भी समाज में बनाये रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने गौ आधारित तथा प्राकृतिक खेती के लिये भी समाज को जागृत तथा प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों को समाज में देशहित, प्रकृति हित में किसी भी सामाजिक अथवा धार्मिक संगठन द्वारा किये जाने वाले कार्य में बढ़–चढ़कर सहयोग करना चाहिये।

बैठक में कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, गौ सेवा, ग्राम विकास, पर्यावरण, धर्म जागरण और सामाजिक सद्भाव गतिविधियों से जुड़े हुये कार्यकर्ता मौजूद थे। सरसंघ चालक भागवत ने कुटुंब प्रबोधन के बारे में कहा कि कुटुंब (परिवार) संरचना प्रकृति प्रदत्त है। इसलिये उसकी देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी है। हमारे समाज में परिवार की एक विस्तृत कल्पना है, इसमें केवल पति, पत्नी और बच्चे ही परिवार नहीं है बल्कि बुआ, काका, काकी, चाचा, चाची, दादी, दादा भी प्राचीन काल से हमारी परिवार संकल्पना में रहे हैं।

फोन रिसिव न करने वाले कार्मिकों पर होगी कार्यवाई:नगर आयुक्त

अलीगढ़ (एजेंसी)। मैक्स हास्पिटल से नगर आयुक्त सत्य प्रकाश पटेल ने सोमवार को वीडियो ब्रिफिंग के जरिये पथ प्रकाश विभाग की समीक्षा की। लाइव वीडियो ब्रिफिंग में नगर आयुक्त पथ प्रकाश निरीक्षक व ईएसएल सदस्यों द्वारा फोन रिसिव न करने को लेकर काफी नाराज हुये।

नगर आयुक्त ने कहा कि को. विड–19 से जंग लड़ रहा हू और मैक्स हास्पिटल में रहकर भी आम नागरिकों की समस्याओं फीडबैक ले रहा हू–क्या पथ प्रकाश विभाग भी बीमार हो गया है।

नगर आयुक्त ने जनप्रतिनिधियों की शिकायतों व सुझावों को गंम्भीरता से लेने की हिदायत देते हुये प्रभारी अधिकारी पथ प्रकाश को प्रतिदिन पथ प्रकाश व्यवस्था व पथ प्रकाश सम्बन्धी शिकायतों पर प्रभावी कार्यवाही के सम्बन्ध में माननीय सासंद सतीश गौतम जी माननीय विधायक कोल अनिल पाराशर व माननीय विधायक शहर संजीव राजा जी सहित सभी जनप्रतिनिधियों से प्रतिदिन फीडबैक लेने के कड़े निर्देश दिये। गर आयुक्त ने दूरभाष पर बताया कि जनप्रतिनिधियों की शिकायतें व सुझाव मार्गदर्शन सदैव करती है।मेरा सौभाग्य है की मुझे मेरे जनप्रतिनिधियों का सकारात्मक सहयोग कोविड–19 के जंग लड़ते हुये पल पल मिल रहा है और उनके विश्वास के बल पर शीघ्र स्वास्थ्य होकर फील्ड में दिखाई दूगा।

प्रदर्शन से पहले सपाई थाने में बैठाए, नेताओं का डेरा

अलीगढ़ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी द्वारा सोमवार को प्रस्तावित प्रदेश व्यापी प्रदर्शन के आह्वान की खबर पर जिला प्रशासन भी चौकन्ना हो गया है। इसी क्रम में रविवार देर रात पुलिस सपा छात्र सभा के निवर्तमान रंजीत चौधरी के घर पहुंची और थाने बुला लाई।इस खबर पर जिलाध्यक्ष गिरीश यादव, पूर्व विधायक ठा. राकेश सिंह, पूर्व महानगर अध्यक्ष अज्जू इशहाक, युवजन सभा के प्रदेश सचिव सलमान शाहिद, आमिर चौधरी आदि थाने पहुंच गए। उन्होंने रंजीत चौधरी इस तरह बैठाने पर विरोध दर्ज कराया।देर रात तक बातचीत जारी थी।सपाई रंजीत को साथ ले जाने की जिद पर अड़े थे।भीड़ को देखते हुए सिविल लाइन इंस्पेक्टर भी थाने पर पहुंच गए।देर रात तक चली वार्ता में यह सहमति बनी कि निर्धारित संख्या में अनुमति मिलने पर ही प्रदर्शन होगा।इसके बाद हिरासत में लिए गए रंजीत चौधरी को छोड़ दिया गया।इधर, रात में ही सपा जिलाध्यक्ष व अन्य नेताओं ने अनुमति के लिए आवेदन पत्र दिया, जिस पर अनुमति की प्रक्रिया शुरू हो गई। एसएसआई क्वार्सी के अनुसार प्रस्तावित प्रदर्शन के संबंध में बातचीत के लिए सपा नेता को बुलाया गया था।किसी को हिरासत में लेकर नहीं बैठाया गया है।इस दौरान थाने पर कुशल दिवाकर, आशीष मोहन यादव, मनोज यादव, बादशाह खान, रवी, सनी अफजल हमीद, कुंवर बहादुर बघेल, कासिफ आदि मौजूद रहे।

घरेलू विवाद में पति ने पत्नी व बेटी को खिलाया जहर, बेटी की मौत

प्रतापगढ़ (एजेंसी)। जिले के थाना बाघराय अंतर्गत रामपुर कोटवा गाँव में घरेलू विवाद के चलते पति ने पत्नी व बेटी को कथित तौर पर जहर खिला दिया। जिसके बाद बेटी की मौत हो गयी। जानकारी के मुताबिक रामपुर कोटवा गाँव में रविवार को ज्योति (35) ने अपनी मासूम बेटी दीप्ती (04) ने घरेलू विवाद के चलते संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खा लिया। दोनों की हालत गंभीर होने पर उपचार के लिए स्थानीय चिकित्सालय लाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को एसआरएन प्रयागराज रेफर कर दिया। वहीं प्रयागराज में दौरान उपचार देर शाम दीप्ती की मौत हो गयी। ज्योति के पिता रमाशंकर ने पुलिस को सूचित कर आरोप लगाया कि पति मोनू यादव ने ज्योति और दीप्ती को जहर दिया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

विचित्र बुखार से दो की मौत,सैकड़ो बीमार

क्रांति समय संवाददाता

कानपुर(घाटमपुर) सांढ क्षेत्र के कई गांवों में विचित्र वायरल बुखार ने अपने पांव पूरी तरह से पसार लिए है।ज्यादातर मरीजो में तेज बुखार के साथ उल्टी, सरदर्द के साथ जी मितलाने की शिकायत है।

बीते दिन नेवादा भरथुआ गांव में कोमल पुत्री भोला बाल्मीकि की हुई मौत के बाद भी अस्पताल प्रशासन गम्भीर नही हुवा और बीमारी अपने चरम पर है कल रविवार को गांव की ही जैतून 56 पत्नी हसनअली की भी विचित्र बुखार से मौत हो गयी।पति हसन अली ने बताया कि करीब चार दिन से बुखार आ रहा था।दोपहर अच. ानक तबियत ज्यादा बिगड़ने पर उसे लेकर जहानाबाद अस्पताल गए जहा इलाज के दौरान ही उसकी मौत हो गयी।गांव के ही महेंद्र राजेन्द्र,संतोष,सनी,ललिता, गुड़िया,अंशू,कमला,राहुल,दीपक मथुरापुर निवासी कल्लूयादव,

बजबजाती नालियां व जमा गोबर के ढेर बढ़ा रहे संक्रामक बीमारी।

बलवान,गुलाबसिंह,रामजानकी, बीरेंद्र,प्रीती, जयदेवी,रुद्रप्रताप, बलवान,शिवम,सुमित आदि सैकड़ो

नेवादा में दूसरी मौत होने से लोगो मे भय।

लोग विचित्र बुखार से पीड़ित है और गांव के लोग अप्रशिक्षित डा. क्टर्स से इलाज कराने को मजबूर है जिससे बीमारी गम्भीर रूप लेती जा रही है।

पड़ोसी गांव असेनिया में भी

नेवादा, असेनिया, मथुरापुर में बुखार के करीब दो सैकड़ा मरीज।

विचित्र बुखार ने दस्तक दे दी है जिससे सैकड़ो लोग विचित्र बुखार से जूझ रहे है।और हालात बद से बदतर होते जा रहे है।कल शाम असेनिया निवासी सुषमा 28 पत्नी अजय पाल की भी विचित्र बुखार से मौत होने से लोगो मे भय व्याप्त हो गया।पति अजय पाल के अनुसार बीते तीन दिनों से बुखार आ रहा था हालत ज्यादा बिगड़ने पर परिजन उसे जहानाबाद के एक निजी अस्पताल ले गए थे।जहाँ हालत गंभीर देख उसे कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी।

वही गांव गांव दुकान खोले झोलाछापो की चांदी है।

हालत ज्यादा बिगड़ने पर इन्हें शहर भेज दिया जाता है।भोले भ. ाले मासूम ग्रामीण इनके झांसे में आ जाते है।

पीजीआई लखनऊ में भर्ती, यूपी में मरीजों की संख्या 312414 हुई

उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह कोरोना पॉजिटिव

लखनऊ(एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व राज्यपाल और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह सोमवार को कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्हें पीजीआई लखनऊ में भर्ती करवाया गया है।

लखनऊ में माल एवेन्यू में निवास कर रहे कल्याण सिंह को दो दिन से बुखार आ रहा था। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उनका नमूना लिया था।

उनकी जांच के बाद रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद आज उनको भर्ती कराया गया है। संजय गांधी पीजीआई में वह फिलहाल चिकित्सकों की देखरेख में अपना इलाज करा रहे हैं।

कल्याण सिंह के पोते और

यूपी सरकार में मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि कोविड 19 का कोई लक्षण नहीं नजर आने के बावजूद सावधानी बरतने के लिए टेस्ट कराया गया।

इधर यूपी में कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 312414 हो चुकी है। इनमें से 239485 को डिस्चार्ज किया जा चुका है।

एक्टिव मरीजों की संख्या प्रदेश में 68122 है। जबकि 4429 मरीजों की मौत हो चुकी है।

प्रदेश में 75 लाख टेस्ट का आंकड़ा पार कर लिया गया है।

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य ने बताया कि उत्तर प्रदेश 75 लाख से अधिक नमूने जांचने वाला पहला राज्य बन गया है। इस समय प्रदेश में 68122 एक्टिव मरीजों में से 36329 होम आइसोलेशन में हैं।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन के दौरान सुनी जन समस्याएं।

क्रांति समय संवाददाता

'अमेठी'जिलाधिकारी अरुण कुमार ने आज कलेक्ट्रेट सभा. गार में 11 बजे जन सामान्य की समस्याएं सुनी एवं उनके निस्तारण

37 शिकायतकर्ताओं ने दर्ज कराई अपनी शिकायत।

हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया।

शासन के निर्देश पर सोमवार को सभागार में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुना एवं मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निस्तारण हेतु निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में आए लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोविड–19 संक्रमण से बचाव हेतु सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, मास्क लगाएं तथा साफ–सफाई व सैनिटाइजेशन पर नियमित रूप से ध्यान दें, कलेक्ट्रेट सभागार में

शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करें संबंधित अधिकारी..... डीएम।'

जिलाधिकारी सोशल डिस्टेंसिंग का का पालन कराते हुए जन समस्याएं सुनी तथा निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। आज जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष लगभग 37 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें नाली विवाद, भूमि पर अवैध कब्जे, वसीयत आदि से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई, जिनके निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों को लंबित ना रखा जाए, शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए, इसके साथ ही उन्होंने कहा जिस भी विभाग से संबंधित शिकायत लंबित पाई गई तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

उन्नाव सदर विधायक ने सेवा सप्ताह के रूप में रक्तदान कर प्रधानमंत्री का मनाया जन्मदिन।

क्रांति समय संवाददाता

उन्नाव सदर विधायक ने किया जिला अस्पताल में किया रक्तदान।यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस को सेवा सप्ताह के रुप में मनाते हुये भारतीय जनता पार्टी के निर्देशानुसार सदर विधायक पंकज गुप्ता द्वारा जिला अस्पताल में रक्तदान किया गया। कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत का पूरी दुनिया में डंका बज रहा है। मोदी जी के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया गया, मुस्लिम महिलाओ को तीन तलाक से मुक्ति दिलाई, अयोध्या विवाद का अंत हुआ और भव्य राम मन्दिर का निर्माण शुरु हो गया।

उन्होने इसके अलावां उज्जवला योजना, आयुष्मान भारज जैसे महत्वपूर्ण कार्यो पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री जी ने पूरा जीवन देश व जनता के हित में समर्पित कर दिया इसलिये कार्यकर्ता अपने प्रधानमंत्री का जन्मदिवस सेवा सप्ताह के रुप में मना रहे है। इस मौके पर प्रमुख रुप से जिलाध्यक्ष राजकिशोर रावत, प्रवीण मिश्रा भानू, नगर अध्यक्ष सुशील तिवारी, विमला कुरील, सोनी शुक्ला आदि कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

सार–समाचार

उन्नाव मे अवैध पटाखा फैक्ट्री मे हुआ विस्फोट

उन्नाव मौरावां थानां छेत्र के प्रशादखेड़ा गाँव मे अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्पोट हो गया।मानकों को ताख पर रख कर कर रहे थे निर्माण।विस्फोट इतनी तेज था कि ग्रामीणो की भीड़ खट्टा होने में 10 मिनट भी ना लगा होगा विस्फोट में घायलों को ग्रामीणों की मदद से मौरावा सीएचसी में इलाज के लिए भेजा गया मौके पर पुलिस भी पहुंची पुलिस ने जांच के निर्देश दिए। विस्फोट कितना खतरनाक था इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं की एक कि मृत्यु हो गई तथा कई घायल हो गये।

रायबरेली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस को यादगार बनाने व जन सेवाभाव जागृत करने की दिशा में भारतीय जनता पार्टी की युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने ब्लड डोनेशन कार्यक्रम का आयोजन जिला चिकित्सालय रायबरेली में किया गया है ।

कानपुर(घाटमपुर)भीतरगांव में लगातार बढ़ रहे कोरोंना सक्रमित लोगो की संख्या और विगत दिनों हुई कोरोंना से मौत को देखते हुई ।प्रशासन के द्वारा गलियों को सील किया गया ।और सभी से जांच कराने के लिए कहा गया।भीतरगांव में लोगो के अंदर दहसत का माहौल है। कल एक बुजुर्ग की मौत के बाद प्रशासन ने सतर्कता दिखाते हुए पूरे ईलाके को शील कर दिया है । लोगों को कोरोंना के नियमों का पालन करने के लिए भी कहा जा रहा है।

कानपुर पनकी पुलिस को मिली बड़ी सफलता पनकी इंडस्ट्रियल एरिया के चौकी प्रभारी अमित तिवारी ने भौती नेशनल हाईवे पर 5 किलो 700 ग्राम गांजा एवम 3 लाख पचास हजार रूपए नगद के साथ एक अपराधी को गिरफ्तार करके जेल भेजा है।

ट्रक से कुचलकर छह गौवंशों की मौत

बांदा (एजेंसी)। जिले के बबेरू क्षेत्र में उमरहनी गांव के पास तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक से कुचलकर सड़क पर बैठे छह गौवंशों की मौत हो गयी है। जानकारी के मुताबिक रविवार की शाम करीब छह बजे कुछ आवारा गौवंश उमरहनी गांव के पास सड़क पर बैठे थे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात एक ट्रक उन्हें कुचलते हुए निकल गया, जिससे छह गौवंशों की मौके पर ही मौत हो गयी है। बाद में पशु चिकित्सक से पोस्टमॉर्टम कराने के बाद मृत गौवंशों के शवों को दफना दिया गया है और दुर्घटना करने वाले वाहन व उसके चालक की तलाश की जा रही है।

आकाशीय बिजली गिरने से दो किसानों की मौत, एक गंभीर

गोण्डा (एजेंसी)। जिले के धानेपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार की शाम को आकाशीय बिजली की चपेट में आकर हनुमंताभारी निवासी दो किसानों की मौत हो गई। जबकि एक किसान गंभीर रूप से झुलस गया। जिसका उपचार चल रहा है। बताया जाता है थाना क्षेत्र में ग्राम पंचायत ख्वाजाजोत के मजरा हनुमंताभारी निवासी दातादीन शर्मा व परमात्मादीन शर्मा के साथ ही जिगरिया निवासी बजरंगी उर्फ दद्दू शाम को गांव के बाहर भैंस चरा रहे थे। तभी गरज चमक के साथ बूंदाबांदी होने लगी। बरसात से बचने के लिए किसान सागौन के पेड़ के नीचे ठहरे थे। इसी बीच आकाशीय बिजली के गिरने से दातादीन व परमात्मादीन की मौत हो गई। जबकि बजरंगी उर्फ दद्दू तिवारी झुलस गए। उनका उपचार सीएचसी में चल रहा है। वहां किसान की स्थिति स्थिर बनी है।

साढ़े नौ किलो बारूद समेत भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद, दो गिरफ्तार

बहराइच (एजेंसी)। जिले के खैरीघाट थाने की पुलिस ने बरदहा बाजार में भारी मात्रा में बारूद बरामद किया है। पुलिस की दबिश के दौरान निर्मित पटाखे, छर्रे, पलीता आदि बरामद किया गया है। दो लोगों को भी गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस को सोमवार को सूचना मिली कि बरदहा बाजार में अवैध रूप से विस्फोटक पदार्थ लाकर डम्प किया गया है। जहां गुपचुप रूप से पटाखे भी बनाए जा रहे हैं। इसे उन्होंने काफी गंभीरता से लेते हुए इसकी जानकारी अफसरों को दी। जिसके बाद दलबल के साथ पुलिस ने दबिश दी। पुलिस टीम ने 9.500 किग्रा बारूद, पांच किग्रा सफेद दानेदार छर्रे, 950 निर्मित पटाखा, चार किग्रा पलीता, पटाखा बनाने की अन्य सामग्री बरामद की। मौके से दो लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। उनकी पहचान बरदहा बाजार निवासी अब्दुल सत्तार, सद्दाम हुसैन के रूप में हुई। गिरफ्तार लोग लाइसेंस व अन्य कोई कागजात नहीं दे सके। गहन पूछताछ के बाद आरोपियों को विस्फोटक अधिनियम में जेल भेज दिया गया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपयों के लेनदेन में युवक की गला घोंट हत्या कर शव रेलवे ट्रैक पर फैंका

सूरत के डिंडोली क्षेत्र में रुपए की लेनदेन में एक युवक की हत्या करने के बाद घटना को दुर्घटना में खपाने के लिए उसके शव को रेलवे ट्रैक पर फैंक दिया।

मृतक युवक के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की हैद्य जानकारी के मुताबिक सूरत के डिंडोली नवागाम के निकट गृहलक्ष्मीनगर में रहनेवाले संजयसिंह जगदेवसिंह भूमिहार का पुत्र नीलेश का शव डिंडोली सीआर पाटील ब्रिज के नीचे रेलवे ट्रैक पर शव क्षत विक्षत बरामद मिला था।

सूचना मिलते ही डिंडोली पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पोस्टमार्टम में खुलासा हुआ कि नीलेश की गला घोंटकर हत्या की गई थी।

इस खुलासे के बाद पुलिस ने हत्या के एंगल से मामले की जांच शुरू की।

जांच में पता चला कि कुछ दिन पहले सेन्टु अरुणसिंग भूमिहार नामक ठेकेदार ने नीलेश को सूरत के महिधरपुरा क्षेत्र के जरी के कारखाने में काम पर लगाया था और एडवांस के तौर पर उसे 5000 रुपए दिए थे। लेकिन रुपए लेने के बाद भी नीलेश काम नहीं गया।

इस बात को लेकर सेन्टु और नीलेश के बीच झगड़ा हुआ। सेन्टु ने नीलेश का गला घोंटकर हत्या कर दी और हत्या को दुर्घटना में खपाने के लिए उसका शव डिंडोली के सीआर पाटील ब्रिज के नीचे रेलवे ट्रैक पर फैंक दिया। पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी सेन्टु भूमिहार की तलाश शुरू की है।

14 वर्षीय किशोरी का अपहरण कर युवक ने किया दुष्कर्म

राजकोट जिले के पीपलाणा के निकट कारखाने में काम करने वाली 14 वर्षीय लड़की का शादी की लालच देकर 19 वर्षीय युवक ने अपहरण कर लिया और अलग अलग जगह उसके साथ दुष्कर्म किया।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक राजकोट जिले की कोटडासांगाणी तहसील के पीपलाणा के निकट स्थित एक कारखान में चोटीला के मूल निवासी परिवार की 14 वर्षीय लड़की पिछले 2 महीने से काम करती है।

कोटडासांगाणी के वादीपुरा गांव निवासी 19 वर्षीय विशाल देवायत भोजाणी नामक युवक भी उसी कारखाने में काम करता है। एक ही कारखाने में नाबालिग लड़की और युवक के बीच प्यार हो गया। गत 10 सितंबर को विशाल ने बहला फुसलाकर मोटर साइकिल पर लड़की का अपहरण कर लिया। उसके बाद अलग अलग जगहों पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म कियाद्य मामला थाने पहुंचने पर हरकत में आई पुलिस ने आरोपी विशाल भोजाणी का कोविड टेस्ट कराने के बाद उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

मुख्यमंत्री ने दिया 'टेस्ट इज बेस्ट' का सूत्र, लोगों से आगे आने की अपील

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कोरोना टेस्टिंग के लिए राज्य के सभी नागरिकों से स्वै. च्छिक रूप से आगे आकर कोरोना टेस्ट कराने की अपील की है।

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने राज्य के नागरिकों में टेस्टिंग को लेकर व्याप्त भय को दूर करने और जन जागरूकता पैदा करने के आशय से सभी को प्रेरित करने के लिए स्वयं चलकर अपना कोरोना टेस्ट कराया था।

रूपाणी की रिपोर्ट निगेटिव आई है। मुख्यमंत्री ने 'टेस्ट इज बेस्ट' का सूत्र देते हुए सभी से अपील की है कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रभावी तरीके से कार्यरत होने और संक्रमित व्यक्तियों की पहचान कर समय पर उपचार के लिए यह टेस्ट करवाना जरूरी है और इस टेस्ट को लेकर किसी भी प्रकार से डरने या भयभीत होने की जरूरत बिल्कुल भी नहीं है।

विदेशी युवती को हमवतनी ने जलाकर उतारा था मौत के घाट,पुलिस ने किया गिरफ्तार।

सूरत। विदेशी युवती मूल थाईलैंड की निवासी और शहर के मगदल्लागाम निवासी विदेशी युवती को करीब एक सप्ताह पहले जलाकर उसकी हत्या की गई थी.शहर की इस चर्चास्पद घटना को आखिरकार पुलिस ने सुलझा लिया और मृतका की हमवतनी को गिरफ्तार कर लिया है.मोबाइल और चेन लूट कर, युवती की हत्या करके हमवतनी भाग गई थी.

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मगदल्ला गाम स्थित गोरखा स्ट्रीट और मूल थाईलैंड निवासी वनिडा बुर्जोन की हत्या के मामले में पुलिस ने उसकी हमवतनी आरोपी अनण्डा उर्फ़ एडा सोमबाद वोंगप्रोम को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी भी फिलहाल मगदल्ला गाम स्थित तालाब फलिया में रहती है.पुलिस द्वारा जानकारी मिली है कि आरोपी अनण्डा उर्फ़ एडा ने 6 सितंबर की सुबह 7 से 7.30 बजे के बिच बुर्जोन को जलाकर मार दिया और उसके दो आईफोन तथा सोने की चेन समेत 2 लाख 25 का सामान लूटकर रूम को बाहर से ताला लगाकर भाग गई थी.

आरोपी अनण्डा उर्फ़ एडा

वनिडा बुर्जोन

उमरा पुलिस ने लूट का मुद्दामाल तथा ताले की असली चाबी सहित सामान बरामद कर लिया है और आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करके अग्रिम जाँच पड़ताल शुरू की है.

अहमदाबाद डिवीजन पर 'हिन्दी दिवस' का आयोजन

अहमदाबाद पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद डिविजन पर 'हिन्दी दिवस' का आयोजन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार झा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में झा ने रेल मंत्री पीयूष गोयल के हिंदी दिवस के संदेश का वाचन किया। उन्होंने भारतीय रेल व हिंदी को अन्योन्याश्रित बताते हुए भारतीय रेल के विशाल नेटवर्क में हिंदी के प्रसार में निरंतर अग्रणी भूमिका की सराहना की। उनके अनुसार कंप्यूटर एवं सूचना क्रांति के इस युग में इंटरनेट, रेलनेट, यात्री आरक्षण प्रणाली, ई टिकट, मोबाइल द्वारा टिकट बुकिंग, ईमेल, रेलवे की वेबसाइट, सोशल मीडिया के संसाधन जैसे ट्विटर, फेसबुक ने हिन्दी को विश्व पटल पर स्थान दिलाया है। अपर मंडल रेल प्रबंधक अनंत कुमार ने महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे आलोक कंसल के संदेश का वाचन किया जिसमें उन्होंने हिंदी के विकास एवं समृद्धि में अपने सक्रिय योगदान देने की अपील की। कंसल ने आम जनता से संबंधित सभी प्रकार की सूचनाएं वेबसाइटों पर अगर अंग्रेजी के साथ साथ हिंदी के सरल व प्रचलित शब्दों में उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) परिमल शिंदे ने मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार झा के संदेश का वाचन किया जिसमें उन्होंने मंडल के सभी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे और आगे बढ़ाने तथा शत–प्रतिशत कार्य हिंदी में करने को लेकर रेल कर्मियों से आह्वान किया कि स्वयं अपना अधिकाधिक कार्य हिंदी में करते हुए दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। प्रधान कार्यालय तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा अहमदाबाद मण्डल तथा उसके रेल कर्मियों को समय समय पर प्राप्त होने वाले सम्मान और पुरस्कार इसे प्रमाणित भी करतें है।

कार्यक्रम के अन्त में राजभाषा एवं जनसंपर्क अधिकारी प्रदीप शर्मा ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन मुख्य कार्यालय अधीक्षक (राजभाषा) प्रकाश पटेल ने किया।

गुजरात में लगातार कोरोना कहर बढ़ता देख कई शहरों में स्वैच्छिक लॉकडाउन

अहमदाबाद सितंबर की शुरुआत से राज्य में कोरोना के 1300 से ज्यादा केस सामने आए रहे हैंद्य राज्य में कोरोना का आंकड़ा 113662 पर पहुंच गया है। लगातार कोरोना कहर को देखते हुए लोगों ने स्वैच्छिक लॉकडाउन की ओर रुख किया है। राजकोट दानापीठ के व्यापारियों ने आधा दिन का स्वैच्छिक लॉकडाउन का ऐलान किया है।

सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक ही दुकानें खुली रहेंगी।

राजकोट के गोंडल में भी 15 सितंबर से 21 सितंबर तक स्वैच्छिक लॉकडाउन का ऐलान किया गया है। सुबह 8 से 4 बजे तक व्यावसायिक गतिविधियां जारी रहेंगी और 4 बजे के बाद लॉकडाउन रहेगा। सर्राफा बाजार ने आज से संपूर्ण लॉकडाउन का ऐलान किया है। जूनागढ़ के माणावदर के कोयलाणा घेड में भी स्वैच्छिक लॉकडाउन किया गया है।

सूरत के मांगरोल में 12 सि. तंबर से ही 12 दिन का स्वैच्छिक लॉकडाउन हैद्य मांगरोल में सुबह 7 बजे से 11 बजे तक बाजार खुले रहते हैंद्य हांलाकि जीवनावश्यक वस्तुएं जैसे मेडिकल और दूध इत्यादि की दुकानों पर कोई रोक नहीं है।

मांगरोल में जुम्मा मस्जिद भी बंद रखने का मुस्लिम नेताओं ने फैसला किया है।

उत्तरी गुजरात के खेडब्रह्मा में भी 21 सितंबर तक लॉकडाउन का ऐलान किया गया है।

खेडब्रह्मा के मुख्य बाजार बंद रहेंगे।

जीवनजरूरी चीज–वस्तुओं के लिए सुबह 8 से 11 बजे तक बाजार खुले रहेंगे।

नगर पालिका ने 8 दिन स्वैच्छिक बाजार बंद रखने की अपील की थी। हांलाकि इन सबके बीच दूध पार्लर, मेडिकल स्टोर, अस्पताल और सरकारी दफ्तर खुले रहेंगे।

राज्य में दीपावली तक स्कूल खुलने की कोई संभावना नहीं

अहमदाबाद अनलॉक में धीरे धीरे सब खुल रहा है, लेकिन स्कूलें अब भी बंद हैं और इसके दीपावली से पहले खुलने की कोई संभावना नहीं दिखती।

सूत्रों के मुताबिक सरकार ने फैसला किया है कि दीपावली तक राज्य में प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल नहीं खोले जाएंगे।

दीपावली के बाद स्थिति को देखते हुए स्कूल खोलने पर फैसला किया जाएगा। राज्य में कोरोना का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है, जिसे देखते हुए सरकार ने दीपावली स्कूल नहीं खोलने का महत्वपूर्ण फैसला किया है। दीपावली के बाद राज्य में कोरोना की की स्थिति को देखते हुए स्कूल खोलने पर शिक्षा विभाग विचार करेगा।

लेकिन दीपावली तक स्कूल खोलने पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

इस बीच अभिभावक मंडल के प्रमुख का कहना है कि जिस प्रकार गुजरात में कोरोना महामारी पैर पसार रही है, उसे देखते हुए बच्चों को स्कूल भेजना हितावह नहीं है।

कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के बच्चों की इम्युनिटी नाजुक होती है। उन्होंने कहा कि राज्य में कोरोना की स्थिति देखते हुए अभिभावक दीपावली के बाद भी स्कूल खोलने पर सहमत नहीं है।

कक्षा 1 से 8 के बच्चों को और कक्षा 9 व 11 के विद्यार्थियों को भी मास प्रमोशन दे देना चाहिए। केवल कक्षा 10 व 12 के विद्यार्थियों की परीक्षा ली जाए।

पीएम मोदी के दौरे से पहले स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के 50 कर्मचारी कोरोना संक्रमित

नर्मदा अगले महीने 31 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्टैच्यू ऑफ यूनिटी आने की संभावनाओं के बीच यहां कार्यरत 50 कर्मचारियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जिसमें 22 जवान सीआईएसएफ के हैं जिन्हें स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की सुरक्षा में लगाया गया है। पीएम मोदी के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से जुड़े 2800 कर्मचारियों का गत 9 सितंबर को कोविड टेस्ट किया गया था। नर्मदा निगम के संचालक और वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजीव कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में केवडिया कॉलोनी के 10 अलग अलग केन्द्रों में कर्मचारियों का टेस्ट किया गया थाद्य इसके अंतर्गत केवडिया में सेवारत सरदार सरोवर नर्मदा निगम, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, वन विभाग केवडिया, गुजरात पर्यटन विकास निगम, जीएसईसीएल, जिला कलेक्टर कचहरी, एल एन्ड टी और टर्नर के सभी कर्मचारी व अधिकारियों का टेस्ट किया गया। पहले 1800 कर्मचारियों का टेस्ट किया गया था, जिसमें 9 कर्मचारी कोरोना संक्रमित मिले थे। शेष 1000 कर्मचारियों के कोविड टेस्ट में कोरोना विस्फोट हुआ है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से जुड़े 50 कर्मचारियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जिसमें 22 जवान सीआईएसएफ के हैं, जिन्हें स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की सुरक्षा में तैनात किया गया है। जबकि अन्य निजी एजेंसी के कर्मचारी हैं।

पोस्ट बचत खाते में 500 रुपए का न्यूनतम बैलेंस रखना आवश्यक

अहमदाबाद पोस्ट बचत खाता धारक को अपने बचत खाते में न्यूनतम रु. 500 का न्यूनतम बैलेंस रखना अनिवार्य है। भारतीय डाक विभाग के गांधीनगर डिवीजन के वरिष्ठ पोस्ट अधीक्षक की विज्ञप्ति के मुताबिक यदि खाता धारकर अपने खाते में रु. 500 रुपए का बैलेंस नहीं रखता तो वार्षिक रु. 118 मेन्टेंस चार्ज के तौर वसूल किए जाएंगे। जिसमें 100 रुपए सर्विस चार्ज और 18 रुपए जीएसटी होगा। जीरो बैलेंस की स्थिति में खाता अपने आप बंद हो जाएगा। खाता धारकों को बचत खाता संबंधित लेनदेन में कोई असुविधा या समस्या न हो इस उद्देश्य से खाता में कम के कम 500 रुपए का बैलेंस रखना अनिवार्य है।

क्रांति समय

स्पेशल ऑफर

अपने बिज़नेस को बढ़ाये हमारे साथ

ADVERTISEMENT WITH US

सिर्फ 1000/- रु में

(1 महीने के लिए)

संपर्क करे

24 घंटों में राज्य की 128 तहसीलों में बारिश, कच्छ के मुंद्रा में 4 ईंच

अहमदाबाद राज्य में बारिश ने फिर एक बार धमाकेदार एन्ट्री की है। पिछले 24 घंटों में राज्य की 128 तहसीलों में बारिश हुई है। कच्छ के मुंद्रा में केवल दो घंटों में सबसे अधिक 4 ईंच बारिश रिकार्ड की गई। प्रांतिज में 3.4 ईंच, धोराजी में 3.3 ईंच, जाफराबाद में 2.9 ईंच, उपलेटा में 2.8 ईंच, माणावदर में 2.8 ईंच, देवभूमि द्वारका में 2.7 ईंच, पोरबंदर में 2.7 ईंच, देवभूमि द्वारका में 2.6 ईंच और वंथली में 2.5 ईंच बारिश दर्ज हुई। रविवार को अमरेली, गिर सोमनाथ, गोंडल, भावनगर, राजूला, जाफराबाद, खांभा, भावनगर, बाबरा, साबरकांठा और जामनगर में बारिश होने से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है। लेकिन ने बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को साबरकांठा, गांधीनगर, अरवल्ली, खेडा, अहमदाबाद, आणंद, पंचम. हल, दाहोद, महीसागर में बारिश होने का अनुमान हैद्य बुधवार को वलसाड और दमण, गुरुवार को सूरत, डांग, तापी, नवसारी, वलसाड, अमरेली, गिर सोमनाथ और शुक्रवार को सूरत, डांग, तापी, नवसारी, वलसाड, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अमरेली में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी और मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)